अध्याय VI

गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थाएं

गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थाएं (एनबीएफआइ) ऋण प्रदान करने तथा वित्तीय मध्यस्थन के संबंध में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा किए गए प्रयासों में सहायता पहुंचाती हैं। बैंकिंग क्षेत्र के साथ इनकी बढ़ती अंतर-संबद्धता को देखते हुए, समग्र वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने की दृष्टि से गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थाओं की वित्तीय सुदृढ़ता का महत्व काफी बढ़ जाता है। 2009-10 में जमाराशि न लेने वाली प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के समेकित तुलनपत्र में वृद्धि हुई, परंतु उनकी आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए) में गिरावट आई। वित्तीय संस्थाओं (एफआइ) के मामले में, निवल लाभ में वृद्धि के साथ-साथ उनके समेकित तुलनपत्र में वृद्धि हुई। तथापि 2009-10 के दौरान वित्तीय संस्थाओं के आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए) में मामूली गिरावट हुई। इसके विपरीत, 2009-10 में प्राथमिक व्यापारियों (पीडी) की लभप्रदता में, मुख्यतः सरकारी प्रतिभूतियों पर प्रतिलाभ में बढ़ोतरी के चलते तेज गिरावट आई।

1. भूमिका

6.1 वाणिज्य बैंकों तथा सहकारी कर्ज संस्थाओं (शहरी और ग्रामीण) के अतिरिक्त भारत की वित्तीय प्रणाली में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी), वित्तीय संस्थाएं तथा प्राथमिक व्यापारी जैसे एनबीएफआइ के व्यापक प्रकार शामिल हैं। एनबीएफसी एक ऐसा विविध समूह है जिसमें न केवल आकार तथा निगमन की प्रकृति, बल्कि उनके कार्यकलापों की दृष्टि से भी भिन्नताएं हैं। वित्तीय प्रणाली में प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने के अतिरिक्त ये संस्थाएं जनसाधारण को उपलब्ध वित्तीय सेवाओं को व्यापक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वित्तीय विस्तार तथा वित्तीय समावेशन के लक्ष्य के बढ़ते महत्व को देखते हुए एनबीएफआइ को, विशेष रूप से लघु तथा खुदरा क्षेत्रों के लिए, महत्वपूर्ण वित्तीय मध्यस्थों के रूप में देखा जा रहा है।

6.2 एनबीएफसी को, जो कि एनबीएफआइ का सबसे बड़ा हिस्सा है, विनियामक तथा पर्यवेक्षी नियंत्रणों के स्तर तथा प्रकृति के आधार पर बैंकों से अंतर किया जा सकता है। पहला, बैंकों की तुलना में इन संस्थाओं पर लागू विनियमन अपेक्षाकृत सरल हैं। दूसरा, उन पर विनियमन संबंधी कतिपय निर्धारण लागू नहीं होते जो बैंकों पर लागू हैं। उदाहरण के लिए, बैंकों की तरह एनबीएफसी पर आरक्षित नकदी निधि अपेक्षा (सीआरआर) लागू नहीं होती। तथापि, अपनी सार्वजनिक जमाराशि देयताओं का 15 प्रतिशत हिस्सा सांविधिक चलनिधि अनुपात (एसएलआर) के रूप में सरकारी तथा अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में रखना उनके लिए अनिवार्य है। तीसरा, उन्हें जमाराशि बीमा सुविधा तथा रिज़र्व बैंक से पुनर्वित्त सुविधा का लाभ नहीं मिलता। चौथा, एनबीएफसी के पास चेक जारी करने की सुविधा नहीं है और वे भुगतान तथा निपटान प्रणाली का हिस्सा नहीं हैं।

6.3 जनता से जमाराशि लेने अथवा अन्यथा के आधार पर एनबीएफसी की दो प्रमुख श्रेणियां हैं, नामतः जमाराशि लेने वाली एनबीएफसी (एनबीएफसी-डी) तथा जमाराशि न लेने वाली एनबीएफसी (एनबीएफसी-एनडी)। 2006 से एनबीएफसी को उनके उत्पादक आस्तियों के सृजन से जुड़ने अथवा अन्यथा के आधार पर पुनः वर्गीकृत किया गया। नये वर्गीकरण के अनुसार, उत्पादक आस्तियों का सृजन करने वाली एनबीएफसी को तीन प्रमुख श्रेणियों, नामतः आस्ति वित्त कंपनियों, उधार कंपनियों तथा निवेश कंपनियों के रूप में वर्गीकृत किया गया। बुनियादी ढांचागत वित्त के बढ़ते महत्व को ध्यान में रखते हुए इससे जुड़ी एनबीएफसी की एक चौथी श्रेणी अर्थात बुनियादी ढांचा वित्त कंपनी की शुरुआत फरवरी 2010 से की गयी (बॉक्स VI.1)।

6.4 हाल तक एनबीएफसी-एनडी पर न्यूनतम विनियमन लागू थे क्योंकि वे जमाराशि न लेने वाली संस्थाएं थीं तथा उन्हें एक ऐसी संस्था के रूप में देखा जा रहा था जिससे वित्तीय स्थिरता के लिए कम खतरा हो। तथापि, इस खंड के बढ़ते महत्व तथा बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थाओं के साथ इनकी आपसी संबद्धता

बॉक्स VI.1: बुनियादी ढांचा वित्त कंपनियां (आइएफसी) - आइएफसी के लिए भिन्न वर्गीकरण और मानदंड की आवश्यकता

देश की बुनियादी ढांचा संबंधी बढ़ती जरूरत के कारण बुनियादी ढांचा क्षेत्र के वित्तपोषण हेतु एनबीएफसी की एक अलग श्रेणी की जरूरत महसूस की गयी। बुनियादी ढांचा संबंधी वित्त के मुद्दे पर विचार करने के लिए दीपक पारीख समिति सहित कई समितियां गठित की गयीं। यह सुविदित है कि एनबीएफसी इस क्षेत्र के विकास हेतु उल्लेखनीय योगदान दे सकती है। बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण के महत्व को देखते हुए यह अनुभव किया गया कि इस क्षेत्र में वित्तपोषण करने वाली कंपनियों पर वे विनियामक अथवा निधीयन संबंधी सीमाएं नहीं लगाई जानी चाहिए जो उपभोक्ता वस्तुओं का वित्तपोषण करने वाली अथवा इक्विटी में निवेश करने वाली कंपनियों पर लगाई जाती हैं। बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण में बड़ी राशि के परिव्यय की जरूरत पड़ती है, इसकी परियोजना अवधि लंबी होती है तथा इसमें एक्सपोजर की राशि बड़ी होती है। ऋण के आकार की दृष्टि से प्रत्येक उधारदाता की प्रतिबद्धता राशि बड़ी होती है तथा एनबीएफसी के ऋण संकेद्रण संबंधी विवेकपूर्ण मानदंड बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण में भाग लेने वाली कंपनियों के लिए बाधक हो सकते हैं। अतः 12 फरवरी 2010 से एनबीएफसी की एक पृथक श्रेणी अर्थात आस्ति वित्त कंपनी (आइएफसी) की शुरुआत की गयी।

एनबीएफसी को आइएफसी के रूप में पात्रता हेतु आवश्यक मानदंड निम्नानुसार हैं:

1. वे कंपनियां जो कुल आस्तियों का न्यूनतम 75 प्रतिशत बुनियादी ढांचा ऋण में लगाती हैं, जैसा कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (जमाराशि स्वीकार न करनेवाली या होल्डिंग) विवेकपूर्ण मानदंड (रिज़र्व बैंक) दिशानिर्देश, 2007 के पैरा 2 (viii) में परिभाषित किया गया है।
2. निवल स्वाधिकृत निधियां 300 करोड़ रुपए अथवा उससे अधिक हों,
3. क्रिसिल, एफआइटीसीएच, केअर, आइसीआरए की न्यूनतम क्रेडिट रेटिंग 'ए' अथवा समतुल्य या किसी अन्य प्रमाणित रेटिंग एजेंसी की समतुल्य रेटिंग,
4. सीआरएआर 15 प्रतिशत हो (टियर I पूंजी न्यूनतम 10 प्रतिशत सहित)।

बुनियादी ढांचा वित्त कंपनियां (आइएफसी) - रियायतें

1. आस्ति वित्त कंपनियां एनबीएफसी-एनडी-एसआइ के लिए लागू कर्ज संकेद्रण संबंधी मानदंड का निम्नानुसार अतिक्रमण कर सकती हैं:

(i) उधार देने के संबंध में

(क) किसी एकल उधारकर्ता के संबंध में अपनी निधि का 10 प्रतिशत तक; तथा

(ख) उधारकर्ताओं के किसी एक समूह के संबंध में अपनी निधि का 15 प्रतिशत तक

(अन्य एनबीएफसी-एनडी-एसआइ के लिए उच्चतम सीमाएं क्रमशः 15 तथा 25 प्रतिशत हैं)

(ii) निवेश तथा अग्रिमों के संबंध में (कर्ज / निवेश को एक साथ लेकर)

(क) किसी एक पार्टी को अपनी निधि का पांच प्रतिशत तक; तथा

(ख) पार्टियों के एक समूह को अपनी निधि का दस प्रतिशत तक

(अन्य एनबीएफसी-एनडी-एसआइ के लिए उच्चतम सीमाएं क्रमशः 25 तथा 40 प्रतिशत हैं)

2. बुनियादी ढांचा वित्त कंपनियां अनुमोदन मार्ग के जरिए बुनियादी ढांचा क्षेत्र में आगे उधार देने के लिए कतिपय शर्तों के अधीन बाह्य वाणिज्यिक उधार ले सकती हैं। पांच एनबीएफसी-एनडी-एसआइ को बुनियादी ढांचा वित्त कंपनी के रूप पुनः वर्गीकृत किया गया है।

को ध्यान में रखते हुए 1 अप्रैल 2007 से बड़ी तथा प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण एनबीएफसी-एनडी पर पूंजी पर्याप्तता तथा एक्सपोजर संबंधी मानदंड लागू किए गए; ऐसी संस्था को जमाराशि न लेने वाली प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण एनबीएफसी के रूप में अभिहित किया गया।

6.5 एनबीएफआइ के दूसरे बड़े घटक में वित्तीय संस्थाएं (एफआइ) आती हैं। एफआइ को मोटे तौर पर उनके प्रमुख उधार / निवेश संबंधी कार्यकलापों के आधार पर निम्नानुसार वर्गीकृत किया गया है, यथा (i) मीयादी ऋण देने वाली संस्थाएं जैसे कि एक्जिम बैंक, जो अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को निर्यात तथा विदेशी निवेश हेतु वित्त प्रदान करता है, (ii) पुनर्वित्त प्रदान करने वाली संस्थाएं, जैसे कि नाबार्ड, सिडबी, एनएचबी जो कृषि, लघु उद्योगों (एसएसआइ) तथा आवास क्षेत्रों में आगे उधार देने हेतु बैंकिंग तथा गैर-बैंकिंग वित्तीय मध्यस्थों को पुनर्वित्त प्रदान करते हैं, (iii) भारतीय जीवन बीमा तथा भारतीय साधारण बीमा जैसी निवेश संस्थाएं जो अपनी आस्तियां मुख्यतः विपणनीय प्रतिभूतियों में लगाती हैं।

6.6 प्राथमिक व्यापारियों का गठन, जो कि एनबीएफआइ का तीसरा प्रमुख घटक है, 1995 में देश में सरकारी प्रतिभूतियों का बाजार विकसित करने के उद्देश्य से किया गया था। द्वितीयक बाजार में चलनिधि की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ इन प्रतिभूतियों की मांग के निर्भरयोग्य स्रोत के सृजन के जरिए यह लक्ष्य प्राप्त करने की परिकल्पना की गयी थी।

6.7 इस अध्याय में 2009-10 के दौरान एनबीएफआइ के इन प्रत्येक खंड के वित्तीय निष्पादन तथा सुदृढ़ता संकेतक का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। इस अध्याय को चार खंडों में विभाजित किया गया है। खंड 2 में वित्तीय संस्थाओं के वित्तीय निष्पादन का विश्लेषण किया गया है जबकि खंड 3 में एनबीएफसी-

सारणी VI.1: वित्तीय संस्थाओं के स्वामित्व का स्वरूप

(31 मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार)

(प्रतिशत)

शेअरहोल्डिंग संस्थाएं	एक्जिम बैंक	नाबार्ड	एनएचबी	सिडबी
1	2	3	4	5
भारत सरकार	100.0	27.5 #	–	–
भारतीय रिज़र्व बैंक	–	72.5 #	100.0	–
आईडीबीआइ	–	–	–	21.8
एसबीआइ	–	–	–	17.2
एलआइसी	–	–	–	16.4
अन्य	–	–	–	44.7 @

भारत सरकार के दिनांक 16.09.2010 की अधिसूचना के अनुसार 16.09.2010 से नाबार्ड के ईक्वटी में भारत सरकार और रिज़र्व बैंक की हिस्सेदारी क्रमश: 99% और 1% हैं।

@ अन्य में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, एक्जिम बैंक एलआइसी, जीआइसी आदि शामिल हैं।

डी और एनबीएफसी-एनडी-एसआइ के वित्तीय निष्पादन की चर्चा की गयी है। खंड 4 में प्राथमिक तथा द्वितीयक बाजारों में प्राथमिक व्यापारियों के निष्पादन का विश्लेषण किया गया है तथा खंड 5 में निष्कर्ष प्रस्तुत किया गया है।

2. वित्तीय संस्थाएं

6.8 मार्च 2010 के अंत में, रिज़र्व बैंक के विनियमन के अंतर्गत पांच वित्तीय संस्थाएं अर्थात् एक्जिम बैंक, नाबार्ड, एनएचबी, सिडबी तथा आइआइबीआइ थीं। इनमें से चार संस्थाएं (अर्थात एक्जिम बैंक, नाबार्ड, एनएचबी तथा सिडबी) रिज़र्व बैंक के पूर्णतः विनियमन और पर्यवेक्षण के अधीन हैं। आइआइबीआइ 31 मार्च 2010 की स्थिति पर स्वैच्छिक समापन की प्रक्रिया में है।

6.9 मार्च 2010 के अंत में, एक्जिम बैंक और एनएचबी पूरी तरह क्रमशः भारत सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक के स्वामित्व में थे। भारतीय रिज़र्व बैंक, जिसकी नाबार्ड में एक बड़ी हिस्सेदारी थी, ने सितंबर 2010 में अपनी होल्डिंग 72.5 प्रतिशत से कम करते हुए 1.0 प्रतिशत किया, जिसके परिणामस्वरूप भारत सरकार का स्वामित्व 27.5 प्रतिशत से बढ़कर 99.0 प्रतिशत हो गया। मार्च 2010 के अंत में, सिडबी के स्वामित्व का ढांचा दर्शाता है कि इसमें अन्य संस्थाओं के पास कुल इक्विटी का 44.7 प्रतिशत है जिसके बाद आइडीबीआइ, एसबीआइ और एलआइसी का क्रम आता है (सारणीVI.1)।

वित्तीय संस्थाओं के कार्यकलाप

6.10 यद्यपि, 2009-10 के दौरान वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वीकृत वित्तीय सहायता में मामूली वृद्धि हुई, फिर भी इन संस्थाओं द्वारा वर्ष के दौरान किये गये संवितरण में गिरावट आई। यह निवेश संस्थाओं, मुख्य रूप से भारतीय जीवन बीमा के संवितरण में आई गिरावट की वजह से थी (सारणी VI.2 तथा परिशिष्ट सारणी VI.1)।

वित्तीय संस्थाओं की आस्तियां और देयताएं

6.11 2009-10 के दौरान वित्तीय संस्थाओं के समेकित तुलनपत्रों में विस्तार हुआ। देयता पक्ष में, बांडों तथा डिबेंचरों के

सारणी VI.2: वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वीकृत और संवितरित वित्तीय सहायता

(राशि करोड़ रुपए में)

श्रेणी	राशि				घटबढ़ प्रतिशत	
	2008-09		2009-10		2009-10	
	स्वी	संवि.	स्वी	संवि.	स्वी	संवि.
1	2	3	4	5	6	7
(i) अखिल भारतीय सावधि ऋणदाता संस्थाएं*	33,232	31,629	42,118	37,824	26.7	19.6
(ii) विशेषीकृत वित्तीय संस्थाएं#	597	283	591	320	-0.9	13.1
(iii) निवेश संस्थाएं@	71,400	62,357	66,077	55,271	-7.5	-11.4
एफआइ द्वारा कुल सहायता (i+ii+iii)	**1,05,229**	**94,269**	**1,08,786**	**93,415**	**3.4**	**-0.9**

स्वी : स्वीकृति संवि.: संवितरण *: आइएफसीआइ, सिडबी और आइआइबीआइ के संबंध में। # : आइवीसीएफ, आइसीआइसीआइ वेंचर और टीएफसीआइ के संबंध में।
@: एलआइसी और जीआइसी तथा भूतपूर्व सब्सिडियरी (एनआइए, यूआइआइसी और ओआइसी) के संबंध में।
टिप्पणी : सभी आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत : संबंधित वित्तीय संस्थाएं।

सारणी VI.3: वित्तीय संस्थाओं की देयताएं और आस्तियां
(मार्च के अंत में)

(राशि करोड़ रुपए में)

मद	राशि		घटबढ़ प्रतिशत
	2009	2010	2009-10
1	2	3	4
देयताएं			
1. पूंजी	4,300 (2.0)	4,600 (1.9)	7.0
2. आरक्षित निधि	41,962 (19.3)	39,489 (16.0)	-5.9
3. बांड और डिबेंचर	59,602 (27.4)	69,943 (28.3)	17.4
4. जमाराशियां	63,515 (29.2)	79,473 (32.2)	25.1
5. उधार राशियां	35,307 (16.2)	34,413 (13.9)	- 2.5
6. अन्य देयताएं	12,609 (5.8)	18,959 (7.7)	50.4
कुल देयताएं/आस्तियां	**217,296 (100.0)**	**246,878 (100.00)**	**13.6**
आस्तियां			
1. नकद और बैंक शेष	5,244 (2.4)	3,703 (1.5)	-29.4
2. निवेश	8,080 (3.7)	9187 (3.7)	13.7
3. ऋण और अग्रिम	180,140 (82.9)	211,879 (85.8)	17.6
4. भुनाए/पुनर्भुनाए गए बिल	2,145 (1.0)	2,668 (1.1)	24.4
5. अचल आस्तियां	570 (0.3)	553 (0.2)	-3.0
6. अन्य आस्तियां	21,117 (9.7)	18,888 (7.7)	-10.6

टिप्पणियां: 1. ये आंकड़े 4 एफआइ यथा - नाबार्ड, एनएचबी, सिडबी और एक्जिम बैंक के हैं। आइआइबीआइ लि. 31 मार्च 2010 को स्वैच्छिक समापन के अंतर्गत था।
2. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल देयताओं/आस्तियों के प्रति प्रतिशत दर्शाते हैं।

स्रोत : i) संबंधित एफआइ के तुलनपत्र । ii) 30 जून 2010 की स्थिति के अनुसार एनएचबी की गैर लेखापरीक्षित ऑफ-साइट विवरणियां ।

साथ जमाराशियां उधार की प्रमुख स्रोत रहीं (सारणी VI.3)। तथापि, 2009-10 के दौरान उधार के जरिए जुटाए गए संसाधन में गिरावट देखी गई।

6.12 आस्ति पक्ष में, उधार तथा अग्रिम एकल बड़े घटक बने रहे जिनका वित्तीय संस्थाओं की कुल आस्तियों में हिस्सा चार बटा पाच था। अनुसूचित वाणिज्य बैंकों (एससीबी)के मामलों में देखी गयी प्रवृत्ति के अनुरूप 2009-10 में वित्तीय संस्थाओं के ऋण तथा अग्रिमों की वृद्धि दर में पिछले वर्ष की तुलना में गिरावट आई।

वित्तीय संस्थाओं द्वारा जुटाये गये संसाधन

6.13 2009-10 में वित्तीय संस्थाओं ने रुपए तथा विदेशी मुद्राओं दोनों में संसाधन जुटाए। 2009-10 में, वित्तीय संस्थाओं द्वारा जुटाए गये कुल संसाधन में 25.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो मुख्यतः इन संस्थाओं द्वारा बांडों / डिबेंचरों सहित जुटाये गये दीर्घावधि संसाधनों की वजह से थी (सारणी VI.4)। चार वित्तीय संस्थाओं में, 2009-10 में सिडबी ने सबसे अधिक संसाधन जुटाये और उसके बाद नाबार्ड का क्रम था।

6.14 वित्तीय संस्थाओं ने विभिन्न लिखतों जैसे, वाणिज्यिक पत्र (सीपी), जमा प्रमाणपत्र (सीडी) तथा मीयादी जमाराशियों के माध्यम से मुद्रा बाजार से संसाधन जुटाये। 2009-10 में, वित्तीय संस्थाओं द्वारा सीपी के माध्यम से जुटाये गये संसाधनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई (सारणी VI.5)। इसके परिणामस्वरूप,

सारणी VI.4 : वित्तीय संस्थाओं द्वारा जुटाए गए संसाधन

(राशि करोड़ रुपए में)

संस्थाएं	जुटाए गए कुल संसाधन								कुल बकाया (मार्च के अंत में)	
	दीर्घावधि		अल्पावधि		विदेशी मुद्रा		योग			
	2008-09	2009-10	2008-09	2009-10	2008-09	2009-10	2008-09	2009-10	2009	2010
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
एक्जिम बैंक	3,197	8,150	8,905	5,052	3,800	5,193	15,902	18,395	37,202	40,509
नाबार्ड	4,252	16	3,494	12,330	–	–	7,746	12,346	26,867	24,922
एनएचबी	3,124	7,518	16,881	10,306	–	–	20,005	17,824	16,503	10,598
सिडबी	5,625	13,253	8,811	11,500	1,361	987	15,797	25,740	24,487	30,186
योग	**16,198**	**28,937**	**38,091**	**39,188**	**5,161**	**6,180**	**59,450**	**74,305**	**1,05,059**	**1,06,215**

– : शून्य/नगण्य

टिप्पणियां: दीर्घावधि रुपया संसाधनों में बांड/डिबेंचर से जुटाई गई उधार राशियां सम्मिलित हैं; और अल्पावधि संसाधनों में सीपी, सावधि जमा राशियां, आइसीडी, सीडी और सावधि मुद्रा से प्राप्त उधार राशियां सम्मिलित हैं। विदेशी मुद्रा संसाधनों में आम तौर पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में बांड और उधार राशियां सम्मिलित हैं।

स्रोत : संबंधित एफआइ।

सारणी VI.5: वित्तीय संस्थाओं द्वारा मुद्रा बाजार से जुटाए गए संसाधन

(राशि करोड़ रुपए में)

लिखत	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
1	2	3	4	5
क. योग	**3,293**	**4,458**	**15,247**	**31,743**
i) सावधि जमाराशियां	89	508	2,222	3,510
ii) सावधि मुद्रा	–	250	1,184	922
iii) अंतर कारपोरेट जमाराशियां	–	–	–	0
iv) जमा प्रमाणपत्र	663	2,286	5,633	1,555
v) वाणिज्यिक पत्र	2,540	1,414	6,207	25,456
vi) बैंकों से अल्पावधि ऋण	–	–	–	300
ज्ञापन :				
ख. अंब्रेला सीमा	**19,001**	**19,500**	**26,292**	**24,650**
ग. अंब्रेला सीमा का उपयोग ('ख' के प्रतिशत के रूप में 'क')	**17.3**	**22.9**	**58.0**	**129.0**

- : शून्य/नगण्य

स्रोत : वित्तीय संस्थाओं द्वारा जुटाए गए संसाधन संबंधी पाक्षिक विवरणी।

वाणिज्यिक पत्र 2009-10 में वित्तीय संस्थाओं द्वारा मुद्रा बाजार से जुटाए गये कुल संसाधनों के लगभग 80 प्रतिशत हिस्से के साथ संसाधनों का एकल सबसे महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में उभरकर आया। वित्तीय संस्थाओं को अधिदेश है कि वे स्वीकृत समग्र सीमा के अंतर्गत मुद्रा बाजार से संसाधन जुटाये। 2009-10 में वित्तीय संस्थाओं द्वारा जुटाये गये संसाधनों में हुई वृद्धि को देखते हुए, ऐसा प्रतीत होता है कि इन संस्थाओं ने पिछले वर्ष देखी गयी प्रवृत्ति के विपरीत, समग्र सीमा से अधिक की राशि जुटाई। तथापि, यह धारणा इसलिए बनी क्योंकि सीपी मुद्रा बाजार की एक अल्पावधि लिखत है तथा वर्ष के दौरान वित्तीय संस्थाएं इसके जरिए संसाधन जुटाती रहीं जिसके कारण सीपी के माध्यम से जुटाई गयी संचयी राशि का स्तर उच्चतर था। उल्लेखनीय है कि वर्ष के दौरान वित्तीय संस्थाओं द्वारा इस लिखत के जरिए प्रत्येक बार संसाधन जुटाते समय समग्र सीमा का उल्लंघन नहीं किया गया।

निधियों के स्रोत तथा उपयोग

6.15 यद्यपि 2009-10 में वित्तीय संस्थाओं द्वारा अंतरिक स्रोतों से संग्रह किये गये संसाधनों में गिरावट आई, फिर भी वर्ष के दौरान ये वित्तीय संस्थाओं की निधियों के सबसे बड़े स्रोत बने रहे। वित्तीय संस्थाओं की निधि के आंतरिक स्रोतों में इस गिरावट की मुख्य वजह सिडबी और एनएचबी के निधि के आंतरिक संसाधनों में गिरावट थी। सिडबी के मामले में, संवितरण के ऊंचे स्तर और दैनंदिन चलनिधि प्रबंधन के लिए आपाती कर्ज की व्यवस्था से अल्पावधि लिखतों में औसत निवेश में कमी हुई जिसके परिणामस्वरूप 2009-10 में निधि के आंतरिक संसाधनों में गिरावट हुई। एनएचबी के मामले में, इसकी निधि के आंतरिक स्रोतों में गिरावट प्राथमिक उधारदात्री संस्थाओं (पीएलआइ) से चुकौती के रूप में कम राशि प्राप्त होने की वजह से हुई। मुख्य रूप से वैश्विक वित्तीय संकट से उबरने के कारण वर्ष के दौरान बाह्य स्रोतों से जुटाई गयी निधियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इस वृद्धि के कारण 2009-10 में बाहरी स्रोतों से जुटाये गये संसाधनों का हिस्सा बढ़कर कुल संसाधनों का दो बटा पांच हो गया जबकि पिछले वर्ष यह हिस्सा कुल का एक तिहाई था।

6.16 वर्ष के दौरान जुटाई गई निधियों में से आधे से भी अधिक हिस्सा वित्तीय संस्थाओं द्वारा नये नियोजन के लिए लगाया गया। तथापि, वर्ष के दौरान वित्तीय संस्थाओं द्वारा पिछली उधारियों की चुकौती हेतु उपयोग की गयी निधियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई (सारणी VI.6)।

उधार लेने और देने की लागत और परिपक्वता

6.17 2009-10 में चारों वित्तीय संस्थाओं द्वारा जुटाए गये रुपया संसाधनों की औसत लागत में गिरावट आई (सारणी VI.7)। इसके अलावा, वर्ष के दौरान एनएचबी को छोड़कर सभी वित्तीय संस्थाओं के रुपया संसाधनों की भारित औसत परिपक्वता में भी गिरावट आई।

6.18 एनएचबी तथा सिडबी ने 2009-10 में अपनी मूल उधार दर में कमी की जबकि एक्जिम बैंक ने उसे अपरिवर्तित रखा (सारणी VI.8)। मूल उधार दर में कमी किये जाने अथवा उसे अपरिवर्तित रखे जाने के बावजूद 2009-10 में पिछले वर्ष की तुलना में वित्तीय संस्थाओं द्वारा दिये गये उधार तथा अग्रिमों की वृद्धि दर में गिरावट आई जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है (सारणी VI.3 देखें)।

वित्तीय संस्थाओं का वित्तीय निष्पादन

6.19 2009-10 के दौरान वित्तीय संस्थाओं के वित्तीय निष्पादन में 2008-09 की तुलना में सुधार हुआ। वित्तीय

सारणी VI.6: वित्तीय संस्थाओं की निधियों के स्रोतों और नियोजन की प्रवृत्ति*

(राशि करोड़ रुपए में)

मद	2008-09	2009-10	घटबढ़ प्रतिशत 2009-10
1	2	3	4
क. निधियों का स्रोत (i+ii+iii)	**2,97,296** (100.0)	**3,02,610** (100.0)	**1.8**
(i) आंतरिक	1,93,294 (65.0)	1,56,733 (51.8)	-18.9
(ii) बाह्य	91,314 (30.7)	1,26,813 (41.9)	38.8
(iii) अन्य@	12,688 (4.3)	19,065 (6.3)	50.3
ख. निधियों का नियोजन (i+ii+iii)	**2,97,296** (100.0)	**3,02,610** (100.0)	**1.8**
(i) नए नियोजन	1,94,711 (65.5)	1,71,922 (56.8)	-11.7
(ii) भूतकाल की उधार राशियों की चुकौती	56,592 (19.0)	1,15,015 (38.0)	103.2
(iii) अन्य नियोजन	45,993 (15.5)	15,673 (5.2)	-65.9
जिनमें से :			
ब्याज का भुगतान	8,809 (3.0)	16,561 (5.5)	88.0

* : एक्जिम बैंक, नाबार्ड,एनएचबी और सिडबी

@: बैंकों में नकदी और शेष, रिज़र्व बैंक और अन्य बैंकों में शेष राशियां सम्मिलित हैं।

टिप्पणी : कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल के प्रति प्रतिशत दर्शाते हैं।

स्रोत : संबंधित वित्तीय संस्थाएं।

संस्थाओं के गैर-ब्याज आय में गिरावट के बावजूद ब्याज आय में उल्लेखनीय वृद्धि होने के कारण उनके निवल लाभ में वृद्धि हुई। तथापि सकल औसत आस्तियों (आरओए) की तुलना में उनके निवल लाभ के अनुपात में मामूली गिरावट हुई (सारणी VI.9)। चार वित्तीय संस्थाओं में से सिडबी का आस्तियों पर प्रतिलाभ सबसे अधिक बना रहा जिसके बाद

सारणी VI.7: चयनित वित्तीय संस्थाओं द्वारा जुटाए गए रूपया संसाधनों की भारित औसत लागत और परिपक्वता

संस्था	भारित औसत लागत (प्रतिशत)		भारित औसत परिपक्वता (वर्ष)	
	2008-09	2009-10	2008-09	2009-10
1	2	3	4	5
एक्जिम बैंक	9.0	7.1	2.5	1.9
सिडबी	6.4	5.2	5.3	3.2
नाबार्ड	9.5	4.4	4.3	0.3
एनएचबी	7.4	6.2	2.8	4.7

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।

स्रोत : संबंधित वित्तीय संस्थाएं।

सारणी VI.8: चयनित वित्तीय संस्थाओं की दीर्घावधि पीएलआर संरचना

(प्रतिशत)

प्रभावी	एनएचबी	एक्जिम बैंक	सिडबी
1	2	3	4
मार्च 2009	10.75	14.00	12.50
मार्च 2010	10.25	14.00	11.00

स्रोत : संबंधित वित्तीय संस्थाएं।

नाबार्ड का स्थान था। एक्ज़िम बैंक का आस्तियों पर प्रतिलाभ सबसे कम था (सारणी VI.10)।

सारणी VI.9: चयनित अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं का वित्तीय निष्पादन

(राशि करोड़ रुपए में)

मद	2008-09	2009-10	घटबढ़	
			राशि	प्रतिशत
1	2	3	4	5
क. आय (अ+आ)	**14,274**	**15,331**	**1,057**	**7.4**
अ) ब्याज आय	12,169 (85.2)	14,755 (96.2)	2,587	21.3
आ) गैर ब्याज आय	2,106 (14.8)	575 (3.8)	-1,530	-72.7
ख. व्यय (अ+आ)	**10,492**	**11,095**	**603**	**5.7**
अ) ब्याज व्यय	8,977 (85.6)	9,328 (84.1)	351	3.9
आ) परिचालन व्यय	1,516 (14.4)	1,767 (15.9)	252	16.6
जिनमें से: वेतन बिल	362	464	102	28.1
ग. आय कर के लिए प्रावधान	**1,190**	**1417**	**227**	**19.0**
घ. लाभ				
Operating Profit (PBT)	3,782	4,236	454	12.0
Net Profit (PAT)	2,592	2,819	227	8.8
ङ. वित्तीय अनुपात@				
परिचालन लाभ (पीबीटी)	1.9	1.8		
निवल लाभ (पीएटी)	1.3	1.2		
आय	7.2	6.6		
ब्याज आय	6.1	6.4		
अन्य आय	1.1	0.2		
व्यय	5.3	4.8		
ब्याज व्यय	4.5	4.0		
अन्य परिचालन व्यय	0.8	0.8		
वेतन बिल	0.2	0.2		
प्रावधान	0.6	0.6		
स्प्रेड (विशुद्ध ब्याज आय)	1.6	2.3		

-: शून्य / नगण्य @: औसत कुल आस्तियों के प्रतिशत के रूप में।

टिप्पणी: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े संबंधित योग का प्रतिशत हिस्सा दर्शाते हैं।
2. गैर-ब्याज आय में अन्य गैर-परिचालनात्मक आय शामिल हैं।
3. परिचालन व्यय में अन्य प्रावधान भी शामिल हैं।
4. अन्य प्रावधानों में जोखिम प्रावधान, अन्य हानि के लिए प्रावधान, राइट ऑफ, यदि कोई हो, अचल आस्तियों में मूल्यह्रास शामिल हैं।
5. नाबार्ड के मामले में, गैर परिचालन आय में पूंजीगत लाभ शामिल हैं।

स्रोत : 1. संबंधित एफआइ के वार्षिक लेखा विवरण 2. 31 मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार एक्जिम बैंक, नाबार्ड और सिडबी की लेखा परीक्षित / गैर-लेखा परीक्षित ऑसमॉस विवरणियां 3. 30 जून 2010 की स्थिति के अनुसार एनएचबी की गैर-लेखा परीक्षित ऑसमॉस विवरणियां।

सारणी VI.10: वित्तीय संस्थाओं के चयनित वित्तीय मानदंड
(मार्च के अंत में)

(प्रतिशत)

संस्था	ब्याज आय/ औसत कार्यकारी निधि		गैर ब्याज आय/ औसत कार्यकारी निधि		परिचालनात्मक लाभ/औसत कार्यकारी निधि		औसत आस्ति पर प्रतिलाभ		प्रति कर्मचारी निवल लाभ (करोड़ रु. में)	
	2009	2010	2009	2010	2009	2010	2009	2010	2009	2010
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
एक्जिम बैंक	7.75	8.37	0.80	0.80	2.36	1.75	1.18	1.13	2.06	2.21
नाबार्ड	6.47	6.19	0.13	0.10	1.86	1.80	1.30	1.23	0.28	0.33
एनएचबी*	7.96	6.63	0.33	0.15	1.74	1.86	1.20	1.20	..	..
सिडबी	8.84	8.35	1.11	0.41	5.25	4.19	3.11	2.36	0.31	0.41

.. : उपलब्ध नहीं ।
* : ऑसमोस विवरणियों के अनुसार जून 2010 अंत में स्थिति। एनएचबी के मामले में औसत कार्यकारी निधियों के बदले में कुल आस्तियां ली गई हैं।
स्रोत: i. संबंधित एफआइ के वार्षिक लेखा विवरण। ii. 31 मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार एक्जिम बैंक, नाबार्ड और सिडबी की लेखा परीक्षित / गैर-लेखा परीक्षित ऑसमॉस विवरणियां।
iii. 30 जून 2010 की स्थिति के अनुसार एनएचबी का गैर-लेखा परीक्षित ऑसमॉस विवरणियां।

सुदृढ़ता के संकेतक : आस्ति गुणवत्ता

6.20 2009-10 में समग्र स्तर पर पिछले वर्ष की तुलना में निवल अनर्जक आस्तियों की राशि में वृद्धि हुई। अनर्जक आस्तियों में हुई वृद्धि केवल सिडबी के कारण थी, जबकि अन्य वित्तीय संस्थाओं में 2009-10 में निवल अनर्जक आस्तियों में वस्तुतः गिरावट आयी थी (सारणी VI.11 तथा चार्ट 1)।

6.21 यदि चार वित्तीय संस्थाओं को नीचे से ऊपर उनकी निवल अनर्जक आस्तियों के क्रम में रखा जाए तो मार्च 2010 के अंत में एक्जिम बैंक सबसे अधिक निवल अनर्जक आस्तियों के साथ शीर्ष पर होगा जबकि शून्य एनपीए के साथ एनएचबी सबसे नीचे होगा। इसके अलावा एक्जिम बैंक का अनर्जक आस्ति अनुपात (निवल उधारों के प्रतिशत के रूप में एनपीए) सबसे अधिक था । तथापि,

सारणी VI.11: निवल अनर्जक आस्तियां
(मार्च के अंत में)

(राशि करोड़ रु. में)

संस्था	निवल अनर्जक आस्तियां	
	2009	2010
1	2	3
एक्जिम बैंक	79	78
नाबार्ड	30	29
एनएचबी*	-	-
सिडबी	26	73
सभी वित्तीय संस्थाएं (एफआइ)	135	180

-: शून्य/नगण्य
*: ऑसमोस विवरणियों के अनुसार मार्च के अंत में स्थिति।
स्रोत: i) संबंधित एफआइ के तुलन पत्र
ii) 31 मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार एक्जिम बैंक, नाबार्ड और सिडबी की लेखा-परीक्षित / गैर लेखा-परीक्षित ऑसमॉस विवरणियां।

चार्ट VI.1 : निवल अनर्जक आस्तियां / निवल ऋण (मार्च के अंत में)

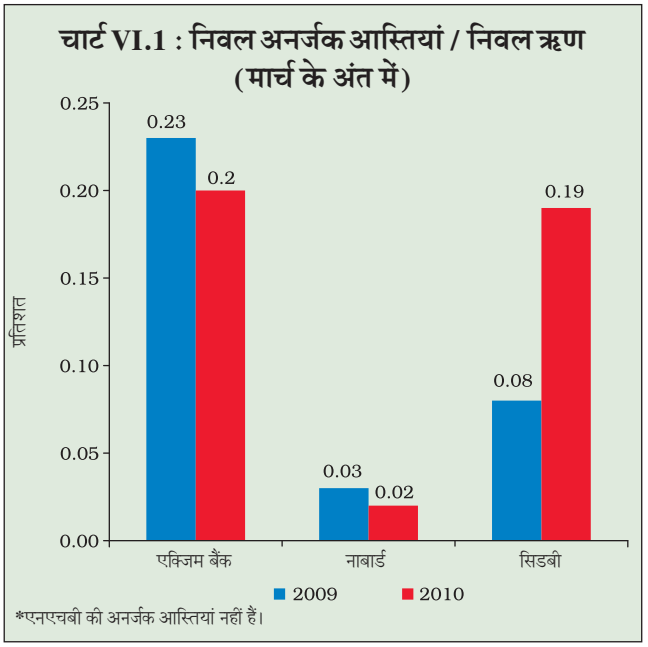

*एनएचबी की अनर्जक आस्तियां नहीं हैं।

2010 में एक्जिम बैंक के निवल एनपीए अनुपात में गिरावट आयी। इसके विपरीत, 2009-10 में सिडबी का निवल एनपीए अनुपात 2008-09 के 0.08 प्रतिशत से बढ़कर 0.19 हो गया (चार्ट VI.1)। सिडबी के एनपीए के स्तर में हुई वृद्धि मुख्यतः इस अवधि के दौरान आर्थिक गतिविधियों में आयी गिरावट के प्रतिकूल असर की वजह से थी।

6.22 निवल एनपीए की राशि में वृद्धि के बावजूद, वित्तीय संस्थाओं के एनपीए संयोजन में सुधार के लक्षण थे। यह बात सभी वित्तीय संस्थाओं के एनपीए पोर्टफोलियो में अवमानक आस्तियों के प्रतिशत में हुई वृद्धि से स्पष्ट होती है, जबकि 2009-10 में संदिग्ध आस्तियों के प्रतिशत में पिछले वर्ष की

सारणी VI.12: वित्तीय संस्थाओं का आस्ति वर्गीकरण
(मार्च के अंत में)

(राशि करोड़ रुपए में)

संस्था	मानक		अवमानक		संदिग्ध		घाटा	
	2009	2010	2009	2010	2009	2010	2009	2010
1	2	3	4	5	6	7	8	9
एक्जिम बैंक	34,077	38,957	21	49	58	29	–	–
नाबार्ड	98,822	119,896	7	3	23	25	–	–
एनएचबी*	16,851	19,837	–	–	–	–	–	–
सिडबी	30,854	37,892	23	68	3	2	–	–
सभी वित्तीय संस्थाएं (एफआइ)	**180,605**	**216,583**	**51**	**120**	**85**	**56**	–	–

- : शून्य/नगण्य *: जून अंत की स्थिति।
स्रोत: i) संबंधित एफआइ के तुलनपत्र। ii) 31 मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार एक्जिम बैंक, नाबार्ड और सिडबी की लेखा-परीक्षित / गैर-लेखा परीक्षित ऑसमॉस विवरणियां। iii) 30 जून 2010 की स्थिति के अनुसार एनएचबी की गैर-लेखा परीक्षित ऑसमॉस विवरणियां।

तुलना में तदनुरूप गिरावट आयी (सारणी VI.12)। यहां तक कि सिडबी के मामले में, जिसका 2009-10 में सबसे अधिक निवल एनपीए था, अवमानक आस्तियों के प्रतिशत में वृद्धि हुई तथा संदिग्ध आस्तियों के प्रतिशत में गिरावट आयी जो एनपीए के संयोजन में सुधार को दर्शाती है।

पूंजी पर्याप्तता

6.23 2009-10 में सिडबी को छोड़कर सभी वित्तीय संस्थाओं के सीआरएआर द्वारा मापे जानेवाले पूंजी पर्याप्तता अनुपात में वृद्धि हुई। तथापि, उल्लेखनीय है कि सभी वित्तीय संस्थाओं का सीआरएआर निर्धारित न्यूनतम 9 प्रतिशत के मानदण्ड से काफी अधिक था। विशेष रूप से, नाबार्ड का सीआरएआर काफी अधिक था, जिसकी पूंजी उसकी कुल जोखिम भारित आस्तियों का लगभग आधा थी, जो इस बात को दर्शाती है कि वह इस पूंजी का उपयोग ऋण के और विस्तार हेतु कर सकती है (सारणी VI.13)।

3. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी)

6.24 एनबीएफसी-एनडी-एसआइ और साथ ही जमाराशि स्वीकार करने वाली एनबीएफसी कंपनियों के स्वामित्व का स्वरूप बताता है कि ये कंपनियां मुख्य रू प से गैर-सरकारी कंपनियां (प्रकृति के अनुसार मुख्यतया सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी)थीं। मार्च 2010 के अंत में एनबीएफसी-एनडी-एसआइ और जमाराशि स्वीकार करने वाली एनबीएफसी कंपनियों में गैर-सरकारी कंपनियों का प्रतिशत क्रमशः 96.6 प्रतिशत और 97.1 प्रतिशत था, जबकि

सारणी VI.13: चयनित वित्तीय संस्थाओं की जोखिम (भारित) आस्ति की तुलना में पूंजी अनुपात
(मार्च के अंत में)

(प्रतिशत)

संस्था	2009	2010
1	2	3
एक्जिम बैंक	16.8	19.0
नाबार्ड	25.9	48.8
एनएचबी*	17.7	19.6
सिडबी	34.2	31.7

* : ऑसमॉस विवरणियों के अनुसार मार्च अंत की स्थिति ।
स्रोत: i) संबंधित एफआइ के तुलनपत्र।
ii) 31 मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार एक्जिम बैंक, नाबार्ड और सिडबी की लेखा-परीक्षित / गैर-लेखा परीक्षित ऑसमॉस विवरणियां।
iii) 30 जून 2010 की स्थिति के अनुसार एनएचबी की गैर-लेखा परीक्षित ऑसमॉस विवरणियां।

सरकारी कंपनियों की हिस्सेदारी केवल क्रमशः 3.4 प्रतिशत और 2.9 प्रतिशत थी। (सारणी VI.14)

सारणी VI.14: गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के स्वामित्व का स्वरूप

(मार्च 2010 को कंपनियों की संख्या)

स्वामित्व	एनबीएफसी एनडी-एसआई	जमाराशि स्वीकार करने वाली एनबीएफसी
1	2	3
क. सरकारी कंपनियां	**9**	**9**
	(3.4)	(2.9)
ख. गैर-सरकारी कंपनियां	**258**	**302**
	(96.6)	(97.1)
1. पब्लिक लिमिटेड कंपनियां	161	293
	(60.3)	(94.2)
2. प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां	97	9
	(36.3)	(2.9)
कंपनियों की कुल संख्या (क+ख)	**267**	**311**

टिप्पणी : कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कंपनियों की कुल संख्या के प्रतिशत हिस्से हैं।

चार्ट VI.2 : भारतीय रिज़र्व बैंक में पंजीकृत गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों की संख्या

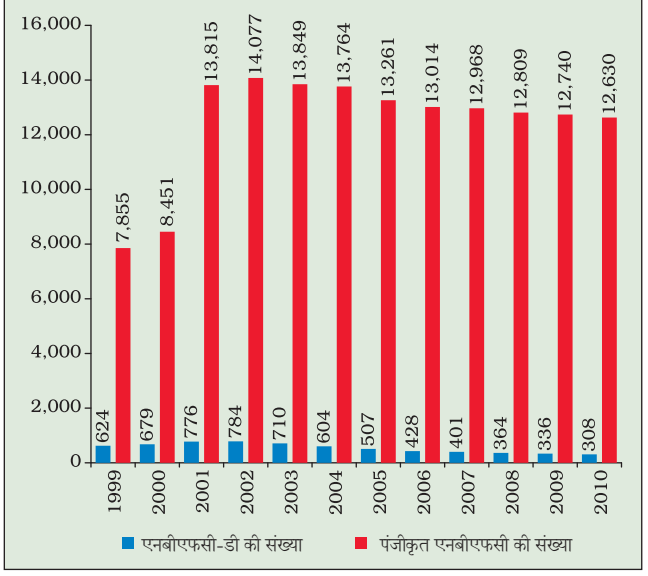

एनबीएफसी की प्रोफाइल

6.25 रिज़र्व बैंक के पास पंजीकृत एनबीएफसी की कुल संख्या जून 2009 के अंत के 12,740 से घटकर जून 2010 के अंत में 12,630 हो गयी (चार्ट VI.2)। 2009-10 में जमाराशि लेनेवाली एनबीएफसी(एनबीएफसी-डी) की संख्या में भी गिरावट आयी। यह कमी मुख्यतः एनबीएफसी के पंजीकरण को रद्द किए जाने, एनबीएफसी के जमाराशि लेने के कार्य से अलग होने तथा जमाराशि लेने वाली एनबीएफसी के जमाराशि न लेने वाली एनबीएफसी में बदल जाने की वजह से आयी।

6.26 एनबीएफसी की संख्या में गिरावट आने के बावजूद, 2009-10 के दौरान उनकी कुल आस्तियों तथा निवल स्वाधिकृत निधि में वृद्धि दर्ज हुई जबकि उनकी जमाराशियों में गिरावट आयी। कुल आस्तियों में अवशिष्ट गैर-बैंकिंग कंपनियों (आरएनबीसी) के हिस्से तथा एनबीएफसी की सार्वजनिक जमाराशियों में 2009-10 में गिरावट आयी जबकि निवल स्वाधिकृत निधियों में आरएनबीसी के हिस्से मे वृद्धि हुई (सारणी VI.15)।

6.27 2009-10 में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों (एससीबी) की सकल जमाराशियों की तुलना में एनबीएफसी की जमाराशियों के अनुपात में गिरावट दर्ज हुई। इस अवधि के दौरान एल3 के व्यापक चलनिधि समुच्चय की तुलना में एनबीएफसी की जमाराशि के अनुपात में भी गिरावट दर्ज हुई (चार्ट VI.3)।

सारणी VI.15: गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों की रूपरेखा

(राशि करोड़ रुपए में)

मद	मार्च के अंत में			
	2008-09		2009-10 अ	
	गैर बैं.वि.कं.	*जिनमें से :* अवशिष्ट गैर बैं.कं.	गैर बैं.वि.कं.	*जिनमें से :* अवशिष्ट गैर बैं.कं.
1	2	3	4	5
कुल आस्तियां	97,408	20,280 (20.8)	109,324	15,615 (14.3)
सार्वजनिक जमाराशियां	21,566	19,595 (90.9)	17,247	14,520 (84.2)
निवल स्वाधिकृत निधियां	13,617	1,870 (13.7)	16,178	2,921 (18.1)

अ : अनंतिम

टिप्पणी : 1. गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में एनबीएफसी-डी और आरएनबीसी शामिल हैं।
2. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े संबंधित जोड़ का प्रतिशत हैं।
3. जमाराशि स्वीकार करने वाली 311 गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में से 227 गै. बैं. वि. कंपनियों ने 20 सितंबर 2010 की कट-ऑफ तारीख को मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए वार्षिक विवरणियां फाइल की हैं।

स्रोत : वार्षिक विवरणियां।

एनबीएफसी-डी का परिचालन (आरएनबीसी को छोड़कर)

6.28 2009-10 के दौरान एनबीएफसी-डी के तुलनपत्र के आकार में 21.5 प्रतिशत की दर पर विस्तार हुआ जबकि पिछले वर्ष यह विस्तार 3.4 प्रतिशत था। यह विस्तार एनबीएफसी-डी की उधारियों में वृद्धि की वजह से हुआ (सारणी VI.16)। उल्लेखनीय है कि एनबीएफसी-डी की सकल देयताओं में उधारियों

चार्ट VI.3: व्यापक चलनिधि (एल 3) और अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की कुल जमाराशियों में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों की सार्वजनिक जमाराशियों का अनुपात

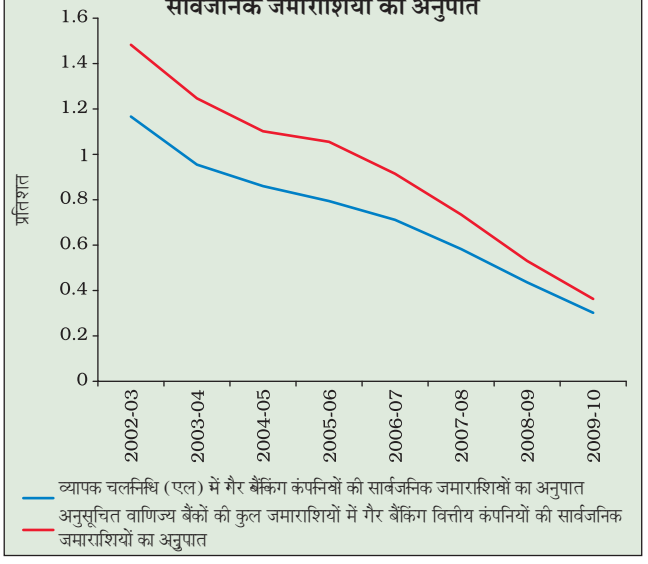

सारणी VI.16: गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-डी का समेकित तुलनपत्र

(राशि करोड़ रुपए में)

मद	मार्च के अंत में		घट-बढ़			
			2008-09		2009-10	
	2008-09	2009-10 अ	संपूर्ण	प्रतिशत	संपूर्ण	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7
देयताएं						
1. प्रदत्त पूंजी	3,817	3,361	551	16.9	-456	-11.9
	(4.9)	(3.6)				
2. आरक्षित निधि और अधिशेष	9,412	12,237	717	8.2	2,825	30.0
	(12.2)	(13.1)				
3. सार्वजनिक जमाराशि	1,971	2,727	-71	-3.5	756	38.4
	(2.6)	(2.9)				
4. उधार राशियां	55,897	69,070	5,320	10.5	13,173	23.6
	(72.5)	(73.7)				
5. अन्य देयताएं	6,031	6,314	-3,951	-39.6	283	4.7
	(7.8)	(6.7)				
देयताएं/आस्तियाँ	**77,128**	**93,709**	**2,566**	**3.4**	**16,581**	**21.5**
आस्तियाँ						
1. निवेश	15,686	19,335	4,476	39.9	3,649	23.3
	(20.3)	(20.6)				
i) एसएलआर प्रतिभूतियां @	9,412	10,773	2,266	31.7	1,361	14.5
	(12.2)	(11.5)				
ii) अन्य निवेश	6,274	8,562	2,210	54.4	2,288	36.5
	(8.1)	(9.1)				
2. ऋण और अग्रिम	21,583	30,802	2,760	14.7	9,219	42.7
	(28.0)	(32.9)				
3. किराया खरीद आस्तियां	35,815	38,549	2,290	6.8	2,734	7.6
	(46.4)	(41.1)				
4. उपस्कर पट्टा-दायी आस्तियां	613	241	-435	-41.5	-372	-60.7
	(0.8)	(0.3)				
5. बिल संबंधी कारोबार	24	44	12	98.2	20	83.3
	(0.0)	(0.0)				
6. अन्य आस्तियां	3,407	4,739	-6,537	-65.7	1,332	39.1
	(4.4)	(5.1)				

अ : अनंतिम @ : एसएलआर आस्ति में अनुमोदित प्रतिभूतियां और अनुसूचित वाणिज्य बैंको की 'भार-रहित मीयादी जमाराशियाँ' शामिल हैं।
टिप्पणी: कोष्ठक में दिए गए आंकड़े संबंधित कुल के प्रतिशत हिस्से हैं।
स्रोत : वार्षिक विवरणियां ।

का हिस्सा लगभग तीन बटा चार था। इसके अलावा, तीन एनबीएफसी-डी की सार्वजनिक जमाराशियों में वृद्धि के कारण एनबीएफसी-डी क्षेत्र की जमाराशियों में पिछले वर्ष हुई गिरावट के मुकाबले 2009-10 में काफी वृद्धि हुई। आस्तियों के पक्ष में, किराया तथा खरीद आस्तियां एनबीएफसी-डी की सबसे महत्वपूर्ण आस्ति श्रेणी बनी रहीं जो उनकी कुल आस्तियों के दो बटा पांच हिस्से से भी अधिक है। उधार तथा अग्रिम उनकी दूसरी महत्वपूर्ण आस्ति श्रेणी थी जिसमें 2009-10 के दौरान भारी विस्तार हुआ। 2009-10 के दौरान एनबीएफसी-डी के सकल निवेश में भी तेज वृद्धि हुई जो मुख्यतः गैर-एसएलआर निवेशों में वृद्धि की वजह से थी।

6.29 मार्च 2010 के अंत में एनबीएफसी-डी की कुल आस्तियों में आस्ति वित्त कंपनियों का हिस्सा सबसे अधिक था जिसके बाद उधार कंपनियों का स्थान था (सारणी VI.17)।

एनबीएफसी-डी की जमाराशियों का आकारवार वर्गीकरण

6.30 2009-10 में 50 करोड़ रुपए से अधिक की जमाराशि आकार वाली बड़ी एनबीएफसी-डी की जमाराशियों में उल्लेखनीय तेज वृद्धि हुई जिनका मार्च 2010 के अंत में कुल जमाराशियों में हिस्सा 86.7 प्रतिशत था। तथापि, इस आकार की श्रेणी में आनेवाली केवल आठ एनबीएफसी-डी कंपनियां थीं जो एनबीएफसी की कुल संख्या के लगभग 3.5 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करती थीं। इस प्रकार, अपेक्षाकृत बड़ी एनबीएफसी-डी कंपनियां जमाराशियों के जरिए संसाधन जुटाने में समर्थ थीं (चार्ट VI.4 तथा सारणी VI.18)।

सारणी VI.17: गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी के वर्गीकरणवार गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-डी की देयता के मुख्य घटक

राशि करोड़ रुपए में)

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का विवरण	गै.बै.वि.कंपनियों की संख्या		जमाराशियां		उधार राशियां		देयताएं	
	2008-09	2009-10अ	2008-09	2009-10अ	2008-09	2009-10अ	2008-09	2009-10अ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
आस्ति वित्त कंपनियां	231	184	1,553	2,268	40,689	54,202	56,496	69,801
			(78.8)	(83.2)	(72.8)	(78.5)	(73.2)	(74.5)
निवेश कंपनियां	1	1	-	-	-	-	2	-
			(0.0)	(0.0)	(0.0)	(0.0)	(0.0)	(0.0)
ऋण कंपनियां	56	43	418	458	15,208	14,867	20,631	23,908
			(21.2)	(16.8)	(27.2)	(21.5)	(26.7)	(25.5)
कुल	**288**	**228**	**1,971**	**2,727**	**55,897**	**69,070**	**77,128**	**93,709**

– : शून्य / नगण्य अ:अनंतिम

टिप्पणी : कोष्ठक में दिए गए आंकड़े संबधित कुल के प्रतिशत हिस्से हैं ।

स्रोत : वार्षिक विवरणियां ।

एनबीएफसी द्वारा धारित जमाराशियों का क्षेत्रवार संयोजन

6.31 देश के उत्तरी क्षेत्र में एनबीएफसी-डी की संख्या सबसे अधिक थी जो मार्च 2010 के अंत में एनबीएफसी-डी की कुल संख्या के 63.5 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करती है। तथापि, उत्तरी क्षेत्र की एनबीएफसी-डी का जमाराशि आकार, दक्षिणी क्षेत्र में स्थित एनबीएफसी-डी की तुलना में, जिसका जमाराशि में मार्च 2010 के अंत में 67.5 प्रतिशत हिस्सा था, काफी छोटा था। तथापि, 2009-10 में दक्षिणी क्षेत्र में स्थित एनबीएफसी-डी द्वारा धारित जमाराशियों के हिस्से में गिरावट आयी (सारणी VI.19 तथा चार्ट VI.5)।

6.32 महानगरों के बीच, उत्तरी क्षेत्र में नई दिल्ली में एनबीएफसी-डी की संख्या सबसे अधिक थी जबकि दक्षिणी क्षेत्र के चेन्नै का एनबीएफसी-डी की कुल जमाराशियों में सबसे बड़ा हिस्सा था।

चार्ट VI.4 : एनबीएफसी-डी द्वारा धारित सार्वजनिक जमाराशियों का हिस्सा - जमाराशियों का दायरा

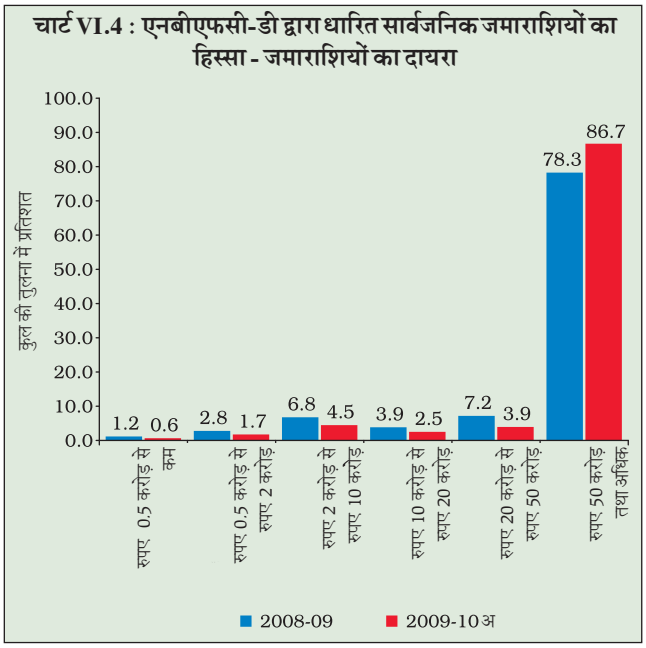

सारणी VI.18: जमा स्वीकार करनेवाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा धारित सार्वजनिक जमाराशियां - जमाराशियों का दायरा

(राशि करोड़ रुपए में)

जमाराशि की सीमा	मार्च के अंत में			
	गै.बैं.वि.कं. की संख्या		जमाराशि	
	2008-09	2009-10अ	2008-09	2009-10अ
1	2	3	4	5
1. 0.5 करोड़ रुपए से कम	185	141	23	17
2. 0.5 करोड़ रुपए से अधिक और 2 करोड़ रुपए तक	57	45	55	47
3. 2 करोड़ रुपए से अधिक और 10 करोड़ रुपए तक	30	26	133	122
4. 10 करोड़ रुपए से अधिक और 20 करोड़ रुपए तक	6	5	76	69
5. 20 करोड़ रुपए से अधिक और 50 करोड़ रुपए तक	4	3	142	107
6. 50 करोड़ रुपए और उससे अधिक	6	8	1,543	2,364
कुल	**288**	**228**	**1,971**	**2,727**

अ : अनंतिम

स्रोत : वार्षिक विवरणियां ।

सारणी VI.19: गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-डी द्वारा धारित सार्वजनिक जमाराशि- क्षेत्र-वार

(राशि करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	मार्च के अंत में			
	2008-09		2009-10 अ	
	गै.बैं.वि.कं-डी की संख्या	सार्वजनिक जमाराशियां	गै.बैं.वि.कं-डी की संख्या	सार्वजनिक जमाराशियां
1	2	3	4	5
उत्तरी	187	295	145	316
पूर्व	7	9	9	9
पश्चिमी	27	164	26	562
दक्षिणी	67	1,503	48	1,840
कुल	**288**	**1,971**	**228**	**2,727**
महानगरीय क्षेत्र :				
कोलकाता	4	8	6	9
चेन्नै	33	1,436	24	1,776
मुंबई	11	148	11	542
नई दिल्ली	53	208	50	204
कुल	**101**	**1,800**	**91**	**2,531**

अ : अनंतिम
स्रोत : वार्षिक विवरणियां ।

एनबीएफसी के पास रखी सार्वजनिक जमाराशियों की ब्याज-दर

6.33 एनबीएफसी-डी की सार्वजनिक जमाराशियों में सबसे अधिक राशि 10 प्रतिशत तक की ब्याज दर के दायरे में संग्रह की गयी और इसका हिस्सा मार्च 2010 के अंत में जमाराशियों के आधे से भी अधिक था (सारणी VI.20 तथा चार्ट VI.6)।

सारणी VI.20: गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-डी द्वारा धारित सार्वजनिक जमाराशियाँ-जमाराशि पर ब्याज दर-दायरा-वार

(राशि करोड़ रुपए में)

जमाराशि की ब्याज-दर दायरा	मार्च के अंत में	
	2008-09	2009-10 अ
1	2	3
10 प्रतिशत तक	591	1,457
10 प्रतिशत से अधिक और 12 प्रतिशत तक	1,267	1,197
12 प्रतिशत और उससे अधिक	113	73
कुल	**1,971**	**2,727**

अ: अनंतिम
स्रोत : वार्षिक विवरणियां।

चार्ट VI.5: एनबीएफसी-डी द्वारा धारित सार्वजनिक जमाराशियों का हिस्सा - क्षेत्र-वार

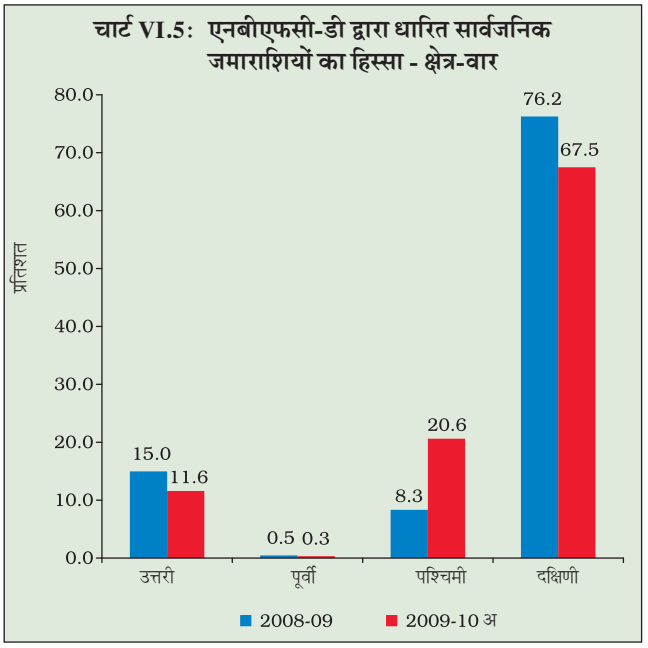

सार्वजनिक जमाराशियों की परिपक्वता प्रोफाइल

6.34 परिपक्वता अवधि के अनुसार एनबीएफसी-डी द्वारा संग्रह की गयी सार्वजनिक जमाराशियों का सबसे बड़ा हिस्सा अल्पावधि से मध्यावधि का था। मार्च 2010 के अंत में, जमाराशियों का सबसे बड़ा हिस्सा एक वर्ष से कम अवधि का था जिसके बाद दो वर्ष से अधिक तथा तीन वर्ष तक की परिपक्वता का क्रम था। 2009-10 में, इन दो परिपक्वता अवधियों की जमाराशियों के

चार्ट VI.6 : एनबीएफसी-डी द्वारा धारित सार्वजनिक जमाराशियां - जमाराशि पर ब्याज-दर - दायरा-वार

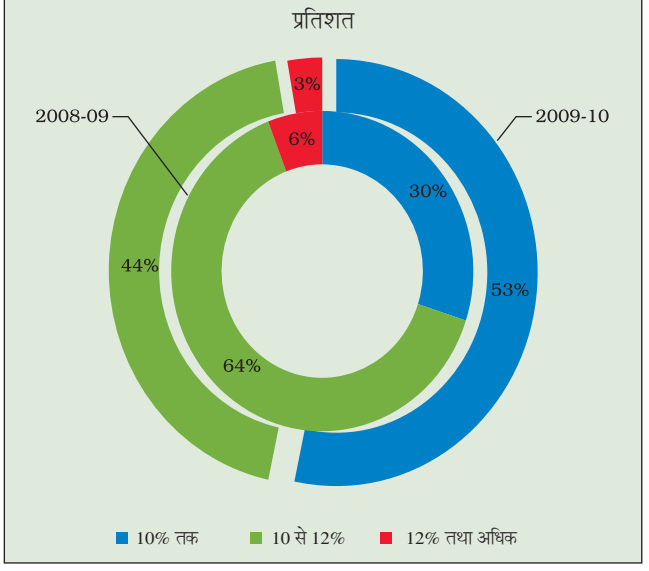

सारणी VI.21 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-डी द्वारा धारित सार्वजनिक जमाराशियों की परिपक्वता प्रोफाइल

(राशि करोड़ रुपए में)

परिपक्वता अवधि	मार्च के अंत में	
	2008-09	2009-10 अ
1	2	3
1. एक वर्ष से कम	700	1,022
2. एक वर्ष से अधिक और 2 वर्ष तक	509	534
3. 2 वर्ष से अधिक और 3 वर्ष तक	601	1,020
4. 3 वर्ष से अधिक और 5 वर्ष तक	74	77
5. 5 वर्ष और उससे अधिक	88	73
कुल	**1,971**	**2,727**

अ: अनंतिम
स्रोत : वार्षिक विवरणियां ।

चार्ट VI.7 : एनबीएफसी-डी द्वारा धारित सार्वजनिक जमाराशियों की परिपक्वता का स्वरूप

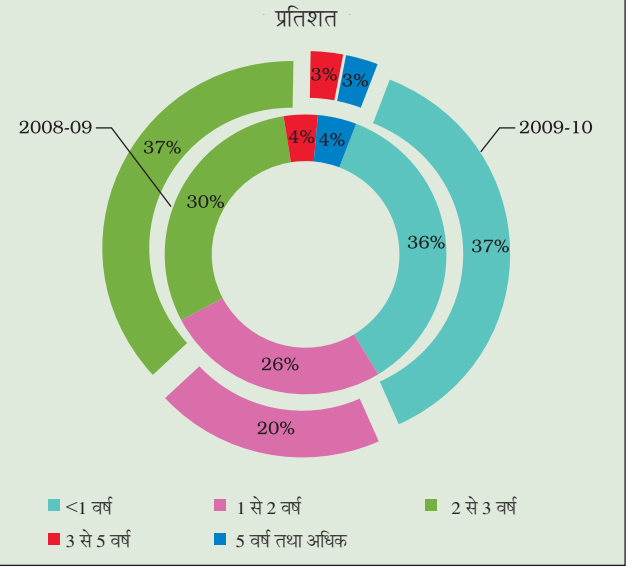

हिस्से में वृद्धि हुई जबकि पांच वर्ष से अधिक अवधि की परिपक्वता वाली दीर्घावधि की परिपक्वता श्रेणियों की जमाराशियों के हिस्से में गिरावट आयी (सारणी VI.21 तथा चार्ट VI.7)।

6.35 एनबीएफसी-डी के लिए बैंक तथा वित्तीय संस्थाएं उधार के प्रमुख स्रोत थे और इनका हिस्सा मार्च 2010 के अंत में 45 प्रतिशत से भी अधिक था। सरकार से लिए गए उधारों (उधार केवल उधार कंपनियों को दिया गया था) के हिस्से में तेज वृद्धि हुई जबकि बाह्य स्रोतों के हिस्से में उल्लेखनीय गिरावट आयी। 2009-10 में अन्य जमाराशियों (जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ अन्य कंपनियों से उधार ली गयी राशि, वाणिज्यिक पत्र, म्यूच्युअल फंडों तथा अन्य प्रकार की निधियों उधार ली गयी राशियां, जिनको सार्वजनिक जमाराशियों के रूप में नहीं माना जाता है, शामिल हैं) में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई जिसके चलते एनबीएफसी-डी के कुल उधार में इसके हिस्से में वृद्धि हुई (सारणी VI.22)।

एनबीएफसी की आस्तियां

6.36 2009-10 के दौरान जमाराशि लेने वाली एनबीएफसी-डी की कुल आस्तियों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई जो मुख्यतः

सारणी VI.22: गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के वर्गीकरण-वार गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी-डी की उधार राशियों के स्रोत

(राशि करोड़ रुपए में)

वर्गीकरण	मार्च के अंत में									
	सरकारी		बाह्य स्रोत @		बैंक और वित्तीय संस्थाएँ		डिबेंचर		अन्य	
	2008-09	2009-10अ	2008-09	2009-10अ	2008-09	2009-10अ	2008-09	2009-10अ	2008-09	2009-10अ
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
आस्ति वित्त	3	–	832	757	21,974	25,488	11,627	13,267	6,253	14,690
	(0.0)	(0.0)	(56.9)	(100.0)	(88.4)	(80.9)	(88.3)	(92.6)	(42.9)	(82.5)
निवेश	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
	(0.0)	(0.0)	(0.0)	(0.0)	(0.0)	(0.0)	(0.0)	(0.0)	(0.0)	(0.0)
ऋण	1,824	4,673	631	–	2,872	6,018	1,546	1,057	8,335	3,121
	(99.8)	(100.0)	(43.1)	(0.0)	(11.6)	(19.1)	(11.6)	(7.4)	(57.1)	(17.5)
कुल	**1,827**	**4,673**	**1,464**	**757**	**24,846**	**31,505**	**13,173**	**14,324**	**14,588**	**17,811**

अ : अनंतिम @ : इसमें (i) विदेशी सरकार, (ii) विदेशी प्राधिकरण, और (iii) विदेशी नागरिक या व्यक्ति शामिल हैं।
टिप्पणी : कोष्ठक में दिए गए आंकड़े संबंधित कुल के प्रतिशत हैं।
स्रोत : वार्षिक विवरणियां ।

सारणी VI.23: गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के वर्गीकरणवार गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-डी की आस्तियों के मुख्य घटक

(राशि करोड़ रुपए में)

वर्गीकरण	मार्च के अंत में					
	आस्तियां		अग्रिम		निवेश	
	2008-09	2009-10 अ	2008-09	2009-10 अ	2008-09	2009-10 अ
1	2	3	4	5	6	7
आस्ति वित्त	56,496	69,801	39,913	46,224	10,791	14,562
	(73.2)	(74.5)	(68.8)	(66.4)	(68.8)	(75.3)
निवेश	2	–	–	–	–	–
	(0.0)	(0.0)	(0.0)	(0.0)	(0.1)	(0.1)
ऋण	20,631	23,908	18,098	23,368	4,895	4,773
	(26.7)	(25.5)	(31.2)	(33.6)	(31.2)	(24.7)
कुल	**77,129**	**93,709**	**58,011**	**69,592**	**15,686**	**19,335**

अ: अनंतिम।
टिप्पणी : कोष्ठक में दिए गए आंकड़े संबंधित कुल के प्रतिशत हैं।
स्रोत : वार्षिक विवरणियां।

आस्ति वित्त कंपनियों की आस्तियों में हुई वृद्धि की वजह से थी (सारणी VI.23)। मार्च 2010 के अंत में, एनबीएफसी-डी क्षेत्र की कुल आस्तियों का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा आस्ति वित्त कंपनियों के पास था। घटक-वार रूप में, कुल आस्तियों में अग्रिमों का हिस्सा प्रमुख था उसके बाद निवेश का स्थान था।

आस्ति के आकार के अनुसार एनबीएफसी-डी का वितरण

6.37 जमाराशि संग्रह करने की क्षमता के कारण केवल बड़ी एनबीएफसी-डी के पास बड़ा आस्ति आधार था। मार्च 2010 के अंत में, केवल 7 प्रतिशत एनबीएफसी-डी का आस्ति आकार 500 करोड़ रुपए से अधिक था और सभी एनबीएफसी-डी की कुल आस्तियों में इनका हिस्सा 97.5 प्रतिशत था (सारणी VI.24)।

एनबीएफसी की आस्तियों का वितरण - कार्यकलापों के प्रकार

6.38 2009-10 के दौरान उधार तथा अंतर-कंपनी जमाराशियों के रूप में स्थित आस्तियों में एवं एनबीएफसी-डी के निवेशों में सुदृढ़ वृद्धि हुई। 2009-10 में किराया खरीद कंपनियों द्वारा धारित आस्तियों के हिस्से में गिरावट आने के बावजूद एनबीएफसी-डी क्षेत्र की आस्तियों में इस कार्यकलाप का हिस्सा सबसे बड़ा बना हुआ है (सारणी VI.25)।

एनबीएफसी-डी का वित्तीय निष्पादन

6.39 एनबीएफसी-डी के वित्तीय निष्पादन में कुछ गिरावट दर्ज हुई जैसा कि 2009-10 के परिचालन लाभ में आई गिरावट से ज्ञात होता है। यह गिरावट मुख्यतः इन संस्थाओं की आय की तुलना में व्यय में (विशेष रूप से वित्तीय व्यय) उच्चतर वृद्धि होने की वजह से थी। कर के संबंध में किये गये प्रावधान में थोड़ी वृद्धि के साथ-साथ परिचालन लाभ में गिरावट आने के कारण 2009-10 में निवल लाभ में गिरावट आई (सारणी VI.26)।

सारणी VI.24: आस्ति आकार के दायरे के अनुसार गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-डी की आस्तियाँ

(राशि करोड़ रुपए में)

आस्ति आकार (रु.)	कंपनियों की सं.		आस्तियां	
	2008-09	2009-10	2008-09	2009-10अ
1	2	3	4	5
0.25 करोड़ रुपए से कम	3	2	0	0
			(0.0)	(0.0)
0.25 करोड़ रुपए से अधिक और 0.50 करोड़ रुपए तक	19	12	7	5
			(0.0)	(0.0)
0.50 करोड़ रुपए से अधिक और 2 करोड़ रुपए तक	113	84	124	99
			(0.2)	(0.1)
2 करोड़ रुपए से अधिक और 10 करोड़ रुपए तक	87	69	395	321
			(0.5)	(0.3)
10 करोड़ रुपए से अधिक और 50 करोड़ रुपए तक	37	32	828	713
			(1.1)	(0.8)
50 करोड़ रुपए से अधिक और 100 करोड़ रुपए तक	11	10	747	702
			(1.0)	(0.7)
100 करोड़ रुपए से अधिक और 500 करोड़ रुपए तक	5	4	1,471	510
			(1.9)	(0.5)
500 करोड़ रुपए से अधिक	13	15	73,555	91,358
			(95.4)	(97.5)
कुल	**288**	**228**	**77,128**	**93,709**

अ: अनंतिम
टिप्पणी : कोष्ठक में दिए गए आंकड़े संबंधित कुल के प्रतिशत हैं।
स्रोत : वार्षिक विवरणियां।

सारणी VI.25: गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-डी की आस्तियां - कार्यकलापवार

(राशि करोड़ रुपए में)

मद	मार्च के अंत में		प्रतिशत घट-बढ़
	2008-09	2009-10	2010
1	2	3	4
ऋण और अंतर-कंपनी जमाराशियां	21,583 (28.0)	30,802 (32.9)	42.7
निवेश	15,686 (20.3)	19,335 (20.6)	23.3
किराया खरीद	35,815 (46.4)	38,549 (41.1)	7.6
उपस्कर और पट्टा	613 (0.8)	241 (0.3)	-60.7
बिल	24 (0.0)	44 (0.0)	85.0
अन्य आस्तियाँ	3,407 (4.4)	4,739 (5.1)	39.1
कुल	**77,128**	**93,710**	**21.5**

अ : अनंतिम
टिप्पणी : कोष्ठक में दिए गए आंकड़े संबंधित कुल के प्रतिशत हैं।
स्रोत : वार्षिक विवरणियां ।

6.40 2009-10 के दौरान औसत कुल आस्तियों के प्रतिशत के रूप में व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई जबकि औसत कुल आस्तियों के प्रतिशत के रूप में आय में कम दर पर वृद्धि हुई जिसके कारण एनबीएफसी-डी की कुल औसत आस्ति (आस्तियों पर प्रतिलाभ) की तुलना में निवल लाभ अनुपात में गिरावट आई (चार्ट VI.8)।

चार्ट VI.8 : एनबीएफसी-डी का वित्तीय कार्य-निष्पादन

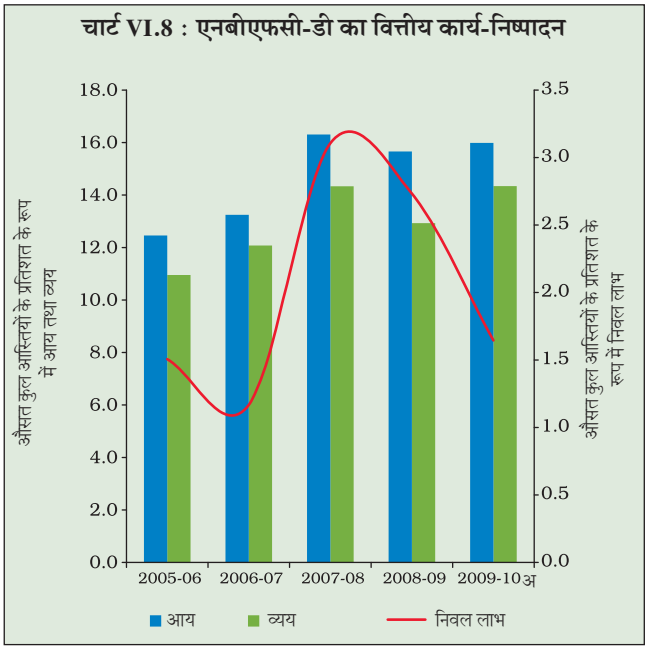

सारणी VI.26: गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-डी का वित्तीय कार्य-निष्पादन

(राशि करोड़ रुपए में)

मद		मार्च के अंत में	
		2008-09	2009-10अ
1		2	3
क. आय (i+ii)		**11,879**	**13,656**
(i)	निधि आधारित	11,572 (97.4)	13,489 (98.8)
(ii)	शुल्क आधारित	307 (2.6)	167 (1.2)
ख. व्यय (i+ii+iii)		**8,789**	**11,166**
(i)	वित्तीय	5,663 (64.4)	6,742 (60.4)
	जिसमें से :		
	ब्याज भुगतान	211 (2.4)	289 (2.6)
(ii)	परिचालन	2,392 (27.2)	2,587 (23.2)
(iii)	अन्य	734 (8.3)	1,837 (16.4)
ग. कर प्रावधान		**1,017**	**1,085**
घ. परिचालन लाभ (करपूर्व लाभ)		**3,090**	**2,490**
ङ निवल लाभ (करोत्तर लाभ)		**2,073**	**1,405**
च. कुल आस्तियाँ		**77,128**	**93,709**
छ. वित्तीय अनुपात (कुल आस्तियों के प्रतिशत के रूप में)@			
i)	आय	15.4	14.6
ii)	निधि आय	15.0	14.4
iii)	शुल्क आय	0.4	0.2
iv)	व्यय	11.4	11.9
v)	वित्तीय व्यय	7.3	7.2
vi)	परिचालन व्यय	3.1	2.8
vii)	कर प्रावधान	1.3	1.2
viii)	निवल लाभ	2.7	1.5
ज. आय की तुलना में लागत अनुपात		**74.0**	**81.8**

अ : अनंतिम @: कुल अस्तियों के प्रतिशत के रूप में
टिप्पणी : कोष्ठक में दिए गए आंकड़े संबंधित कुल के प्रतिशत हैं।
स्रोत : वार्षिक विवरणियां।

सुदृढ़ता संकेतक: एनबीएफसी-डी की आस्ति गुणवत्ता

6.41 पिछले वर्ष की प्रवृत्ति के अनुरूप 2009-10 में एनबीएफसी-डी के उधार एक्सपोजर की तुलना में सकल एनपीए अनुपात में गिरावट आई। एनपीए के संबंध में किए गए प्रावधान मार्च 2010 के अंत तक पिछले लगातार तीन वर्षों के दौरान के एनपीए की राशि से अधिक होने के कारण निवल एनपीए ऋणात्मक रहा (सारणी VI.27)।

सारणी VI.27: गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-डी के अनर्जक आस्ति अनुपात

(प्रतिशत)

मार्च के अंत में	क्रेडिट एक्सपोजर के प्रति सकल अनर्जक आस्तियां	क्रेडिट एक्सपोजर के प्रति निवल अनर्जक आस्तियां
1	2	3
2002	10.6	3.9
2003	8.8	2.7
2004	8.2	2.4
2005	5.7	2.5
2006	3.6	0.5
2007	2.2	0.2
2008	2.1	#
2009	2.0	#
2010 अ	1.3	#

अ: अनंतिम #: अर्नजक आस्तियों से अधिक प्रावधान ।
स्रोत : छमाही विवरणियां ।

6.42 2009-10 में आस्ति वित्त तथा ऋण कंपनियों की आस्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ जैसा कि सकल अग्रिमों की तुलना में सकल एनपीए अनुपात में आई गिरावट से स्पष्ट होता है (सारणी VI.28)।

6.43 2009-10 में, आस्ति वित्त कंपनियों के एनपीए की सभी तीन श्रेणियों अर्थात अवमानक, संदिग्ध और हानि वाली आस्तियों के हिस्से में गिरावट आई जो इन संस्थाओं की आस्तियों की गुणवत्ता में हुए सुधार को रेखांकित करता है। तथापि, ऋण कंपनियों के मामले में मार्च 2010 के अंत में मानक आस्तियों का हिस्सा सुधरकर 97.3 प्रतिशत हो गया, परंतु हानि वाली आस्तियों के हिस्से में मामूली वृद्धि हुई (सारणी VI.29)।

सारणी VI.28: गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के वर्गीकरण के अनुसार गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी-डी की अनर्जक आस्तियां

(राशि करोड़ रुपए में)

वर्गीकरण @ मार्च के अंत में	सकल अग्रिम	सकल अनर्जक आस्तियां		निवल अग्रिम	निवल अनर्जक आस्तियां	
		राशि	सकल अग्रिमों की तुलना में प्रतिशत		राशि	निवल अग्रिमों की तुलना मेंप्रतिशत
1	2	3	4	6	7	8
आस्ति वित्त						
2008-09	39,038	507	1.3	38,136	-394	-1.0
2009-10 अ	45,264	337	0.7	44,166	-760	-1.7
ऋण						
2008-09	9,365	472	5.0	8,940	47	0.5
2009-10 अ	18,926	516	2.7	18,397	-12	-0.1

अ: अनंतिम ।
@ एनबीएफसी का नया वर्गीकरण अर्थात आस्ति वित्त कंपनी (एएफसी) दिनांक 6-12-2006 की अधिसूचना सं. डीएनबीएस 189 तथा 190 / सीजीएम (पीके) - 2006 द्वारा प्रभावी हो गया है। उत्पादक / आर्थिक गतिविधियों के लिये स्थावर / भौतिक आस्तियों को वित्तपोषण करने वाली कंपनियों को एएफसी के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया गया है। तद्नुसार, उपर्युक्त मानदंडों को पूरा करने वाली गै.बैं.वि.कंपनियों को सूचित किया गया कि वे एएफसी के रूप में वर्गीकरण के लिए भा.रि.बैंक से संपर्क करें। एनबीएफसी की प्रस्तावित संरचना में अंततः एनबीएफसी की तीन श्रेणियां (i) एएफसी, (ii) निवेश कंपनी तथा (iii) ऋण कंपनी उभरकर सामने आई हैं।
स्रोत : छमाही विवरणियां ।

सारणी VI.29: गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के वर्गीकरण के अनुसार गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी -डी की आस्तियों का वर्गीकरण

(राशि करोड़ रुपए)

वर्गीकरण / मार्च के अंत में	मानक आस्तियां	अवमानक आस्तियां	संदिग्ध आस्तियां	हानि आस्तियां	सकल अनर्जक आस्तियां	क्रेडिट एक्सपोजर
1	2	3	4	5	6	7
आस्ति वित्त कंपनियां						
2008-09	38,531	429	55	23	507	39,038
	(98.7)	(1.1)	(0.1)	(0.1)	(1.3)	(100.0)
2009-10 अ	44,926	280	43	14	337	45,263
	(99.3)	(0.6)	(0.1)	(0.0)	(0.7)	(100.0)
ऋण कंपनियां						
2008-09	8,893	331	125	18	386	9,367
	(94.9)	(3.5)	(1.3)	(0.2)	(4.1)	(100.0)
2009-10 अ	18,409	296	159	61	34	18,925
	(97.3)	(1.6)	(0.8)	(0.3)	(0.2)	(100.0)

अ:अनंतिम
टिप्पणी : कोष्ठकों के आंकड़े क्रेडिट एक्सप्रोजर का प्रतिशत दर्शाते हैं।
स्रोत : छमाही विवरणियां ।

सारणी VI.30: गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-डी की पूंजी पर्याप्तता अनुपात

(कंपनियों की संख्या)

सीआरएआर दायरा	मार्च के अंत में							
	2008-09				2009-10 अ			
	आ.वि.कं.	नि.कं.	ऋ.कं.	कुल	आ.वि.कं	नि.कं.	ऋ.कं.	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1) 12 प्रतिशत से कम (क+ख)	2	0	2	4	1	0	3	4
क.) 9 प्रतिशत से कम	2	0	2	4	1	0	2	3
ख.) 9 प्रतिशत से अधिक तथा 12 प्रतिशत तक	0	0	0	0	0	0	1	1
2) 12 प्रतिशत से अधिक तथा 15 प्रतिशत तक	2	0	0	2	1	0	0	1
3) 15 प्रतिशत से अधिक तथा 20 प्रतिशत तक	3	0	1	4	5	1	1	7
4) 20 प्रतिशत से अधिक तथा 30 प्रतिशत तक	22	1	3	26	19	0	8	27
5) 50 प्रतिशत से अधिक	138	3	48	189	140	2	35	177
जोड़	**167**	**4**	**54**	**225**	**166**	**3**	**47**	**216**

अ : अनंतिम
आ.वि.कं. : आस्ति वित्त कंपनी; ऋण कं.: ऋण कंपनियां; नि.कं.: निवेश कंपनियां
स्रोत : छमाही विवरणियां।

पूंजी पर्याप्तता अनुपात

6.44 मार्च 2010 के अंत में, 216 एनबीएफसी में से 212 का सीआरएआर 12 प्रतिशत अथवा उससे अधिक था जबकि मार्च 2009 के अंत में 225 में से 221 एनबीएफसी का सीआरएआर उपर्युक्तानुसार था (सारणी VI.30)। यह उल्लेखनीय है कि एनबीएफसी क्षेत्र पिछले कुछ वर्षों से समेकन की प्रक्रिया से गुजर रहा है जिसमें कमजोर एनबीएफसी धीरे-धीरे कारोबार से अलग हो रहे हैं जिससे इस क्षेत्र में सुदृढ़ता आ रही है।

6.45 मार्च 2010 के अंत में, एनबीएफसी की सभी श्रेणियों का निवल स्वाधिकृत निधि (एनओएफ) की तुलना में सार्वजनिक जमाराशि अनुपात 0.2 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रहा (सारणी VI.31)।

6.46 2009-10 में एनबीएफसी-डी के एनओएफ तथा सार्वजनिक जमाराशियों में वृद्धि हुई। यह वृद्धि मुख्यतः उन एनबीएफसी-डी तक सीमित थी जिनकी एनओएफ आकार श्रेणी 500 करोड़ रुपए अथवा अधिक की थी (सारणी VI.32)।

अवशिष्ट गैर-बैंकिंग कंपनियां (आरएनबीसी)

6.47 मार्च 2010 के अंत में, आरएनबीसी की आस्तियों में 23.0 प्रतिशत की गिरावट आई। आस्तियों में मुख्य रूप से भार-

सारणी VI.31 : एनबीएफसी के वर्गीकरणवार गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी-डी की सार्वजनिक जमाराशि की तुलना में निवल स्वाधिकृत निधि

(राशि करोड़ रुपए में)

वर्गीकरण	मार्च के अंत मे			
	निवल स्वाधिकृत निधियां		सार्वजनिक जमाराशियां	
	2008-09	2009-10 अ	2008-09	2009-10 अ
1	2	3	4	5
आस्ति वित्त	7,652	9,863	1,553 (0.2)	2,268 (0.2)
निवेश	-	-	- (0.0)	- (0.0)
ऋण	4095	3394	418 (0.1)	458 (0.2)
जोड़	11,747	13,257	1,971 (0.2)	2,727 (0.2)

टिप्पणी : कोष्ठकों के आंकडे निवल स्वाधिकृत निधि के प्रति सार्वजनिक जमाराशि के अनुपात हैं।
स्रोत : वार्षिक विवरणियां ।

रहित अनुमोदित प्रतिभूतियों, बांडों/डिबेंचरों तथा अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की मीयादी जमाराशियों/ जमा प्रमाणपत्रों में निवेश शामिल था। तथापि, 2009-10 में आरएनबीसी की निवल स्वाधिकृत निधि में 56.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई(सारणी VI.33)।

6.48 2009-10 के दौरान आरएनबीसी की आय में हुई गिरावट उनके व्यय में हुई गिरावट से कम थी जिसके कारण

सारणी VI.32 : गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-डी की सार्वजनिक जमाराशियों की तुलना में निवल स्वाधिकृत निधि का दायरा

(राशि करोड़ रुपए में)

निवल स्वाधिकृत निधि का दायरा	मार्च के अंत में					
	2008-09			2009-10 अ		
	कंपनियों की संख्या	निवल स्वाधिकृत निधि	सार्वजनिक जमा राशियां	कंपनियों की संख्या	निवल स्वाधिकृत निधि	सार्वजनिक जमा राशियां
1	2	3	4	5	6	7
1. 0.25 करोड़ रुपए तक	4	-424	179 -(0.4)	3	-202	148 -(0.7)
2. 0.25 करोड़ रुपए से अधिक और 2 करोड़ रुपए तक	178	128	49 (0.4)	129	96	34 (0.4)
3. 2 करोड़ रुपए से अधिक और 10 करोड़ रुपए तक	69	261	136 (0.5)	56	210	117 (0.6)
4. 10 करोड़ रुपए से अधिक और 50 करोड़ रुपए तक	22	417	159 (0.4)	24	432	189 (0.4)
5. 50 करोड़ रुपए से अधिक और 100 करोड़ रुपए तक	2	127	45 (0.4)	2	117	52 (0.4)
6. 100 करोड़ रुपए से अधिक और 500 करोड़ रुपए तक	5	959	389 (0.4)	4	824	482 (0.6)
7. 500 करोड़ रुपए से अधिक	8	10,280	1,015 (0.1)	10	11,780	1,704 (0.1)
जोड़	**288**	**11,747**	**1,971** **(0.2)**	**228**	**13,257**	**2,727** **(0.2)**

अ: अनंतिम
टिप्पणी : कोष्ठकों के आंकड़े सार्वजनिक जमाराशियां हैं जो संबधित निवल स्वाधिकृत निधि के अनुपात के रूप में हैं।
स्रोत : वार्षिक विवरणियां ।

वर्ष के दौरान उनके परिचालन लाभ में वृद्धि हुई। कराधान के लिए प्रावधान में वृद्धि के बावजूद 2009-10 में आरएनबीसी के निवल लाभ में तेज वृद्धि हुई जबकि पिछले वर्ष गिरावट हुई थी।

सारणी VI.33: अवशिष्ट गैर-बैंकिंग कंपनियों का प्रोफाइल

(राशि करोड़ रुपए में)

मद	मार्च के अंत में		घट-बढ़ प्रतिशत में	
	2008-09	2009-10 अ	2008-09	2009-10 अ
1	2	3	4	5
क. आस्तियां (i से v)	**20,280**	**15,616**	**-17.1**	**-23.0**
(i) भार-रहित अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश	5,247	2,467	67.3	-53.0
(ii) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों / सरकारी वित्तीय संस्थाओं की मीयादी जमाराशि / जमा प्रमाणपत्र में निवेश	5,999	4,860	-8.6	-19.0
(iii) सरकारी कंपनी / सरकारी क्षेत्र बैंक / सरकारी वित्त संस्था / निगम के बांड / डिबेंचर / वाणिज्यिक पत्र	6,993	5,290	-43.2	-24.4
(iv) अन्य निवेश	299	1,280	-47.8	328.1
(v) अन्य आस्तियाँ	1,742	1,719	-6.3	-1.3
ख. निवल स्वाधिकृत निधि	**1,870**	**2,921**	**8.8**	**56.2**
ग. कुल आय (i+ii)	**2,416**	**1,946**	**3.9**	**-19.5**
(i) निधि आय	2,315	1,920	0.5	-17.1
(ii) शुल्क आय	101	26	339.1	-74.3
घ. कुल व्यय (i+ii+iii)	**2,069**	**1,400**	**19.9**	**-32.3**
(i) वित्तीय लागत	1,604	974	21.3	-39.3
(ii) परिचालन लागत	379	343	15.2	-9.5
(iii) अन्य लागत	86	83	16.2	-3.5
ङ. कराधान	**149**	**164**	**-33.5**	**10.1**
च. परिचालन लाभ (पीबीटी)	**347**	**547**	**-42.3**	**57.6**
छ. निवल लाभ (पीएटी)	**198**	**383**	**-47.5**	**93.4**

अ : अनंतिम पीबीटी : कर पूर्व लाभ पीएटी : करोत्तर लाभ
स्रोत : वार्षिक विवरणियां ।

आरएनबीसी की जमाराशियों का क्षेत्रीय पैटर्न

6.49 मार्च 2010 के अंत में, दो अवशिष्ट गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां(आरएनबीसी) थीं जिनमें से एक पूर्वी क्षेत्र में तथा दूसरी मध्य क्षेत्र में थी। आरएनबीसी अन्य कारोबारी मॉडलों की ओर अग्रसर हो रही हैं और ये 2015 तक अपनी जमाराशि देयताओं को घटाकर 'शून्य' कर लेंगी। 2009-10 में दो आरएनबीसी की सार्वजनिक जमाराशियों में उल्लेखनीय गिरावट आई जो मुख्यतः मध्य क्षेत्र में स्थित आरएनबीसी द्वारा धारित जमाराशियों में उल्लेखनीय गिरावट आने की वजह से थी (सारणी VI.34)।

आरएनबीसी के निवेश का पैटर्न

6.50 2009-10 में जमाराशियों में गिरावट की वजह से आरएनबीसी के निवेश में गिरावट आई। यह गिरावट भार-रहित अनुमोदित प्रतिभूतियों के मामले में उल्लेखनीय थी (सारणी VI.35)।

एनबीएफसी-एनडी-एसआइ

6.51 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण जमा स्वीकार न करने वाली एनबीएफसी (100 करोड़ रुपए तथा उससे अधिक आस्ति आकार वाली) से प्राप्त विवरणियों पर आधारित सूचना से मार्च 2009 को समाप्त वर्ष की तुलना में उनकी देयताओं/आस्तियों में 16.7 प्रतिशत की वृद्धि दिखायी दी। एनबीएफसी-एनडी-एसआइ की कुल उधार राशियों (जमानती तथा बेजमानती) में मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के दौरान 19.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो कुल देयताओं का लगभग दो-तिहाई था (सारणी VI.36)। बेजमानती उधार एनबीएफसी-एनडी-एसआइ के लिए निधियों का अकेला सबसे बड़ा स्रोत बना रहा, जिसके बाद जमानती उधार, आरक्षित निधि तथा अधिशेष का स्थान था।

सारणी VI.34: अवशिष्ट गैर-बैंकिंग कंपनियों द्वारा धारित सार्वजनिक जमाराशियां - क्षेत्र-वार

(राशि करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	मार्च के अंत में			
	2008-09		2009-10 अ	
	अ.गै.बैं.कं. की संख्या	राशि	अ.गै.बैं.कं. की संख्या	राशि
1	2	3	4	5
मध्य	1	15,672 (80.0)	1	11,235 (77.4)
पूर्वी	1	3,924 (20.0)	1	3,285 (22.6)
कुल	**2**	**19,596**	**2**	**14,520**
महानगरीय क्षेत्र:				
कोलकाता	1	3,924	1	3,285
नई दिल्ली	-	-	-	-
कुल	**1**	**3,924**	**1**	**3,285**

- : शून्य / नगण्य अ : अनंतिम
टिप्पणी : कोष्ठक में दिए गए आंकड़े संबंधित कुल के प्रतिशत हैं।
स्रोत : वार्षिक विवरणी।

सारणी VI.35: अवशिष्ट गैर-बैंकिंग कपंनियों के निवेश का स्वरूप

(राशि करोड़ रुपए में)

	मार्च के अंत में	
	2008-09	2009-10 अ
1	2	3
जमाकर्ताओं के प्रति समग्र देयताएं (एएलडी)	**19,595**	**14,520**
(i) भार-रहित अनुमोदित प्रतिभूतियां	5,247 (26.8)	2,467 (17.0)
(ii) बैंकों में सावधि जमाराशियां	5,999 (30.6)	4,860 (33.5)
(iii) सरकारी कं./सरकारी क्षेत्र के बैंक / सरकारी वित्तीय संस्था / निगम के बांड या डिबेंचर या वाणिज्यिक पत्र	6,993 (35.7)	5,290 (36.4)
(iv) अन्य निवेश	299 (1.5)	1,280 (8.8)

अ : अनंतिम
टिप्पणी : कोष्ठक में दिए गए आंकड़े एएलडी का प्रतिशत दर्शाते हैं।
स्रोत : वार्षिक विवरणी ।

6.52 एनडी-एसआइ क्षेत्र में तेजी से वृद्धि हो रही है तथा बेजमानती उधार उनकी निधियों का अकेला सबसे बड़ा स्रोत है, जो अधिकांशतः बैंकों/वित्तीय संस्थाओं से प्राप्त होता है। इस प्रकार, उनमें एक प्रणालीगत सहबद्धता होती है तथा उन पर कड़ी निगरानी रखने की जरूरत है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रणाली को उनसे कोई जोखिम नहीं है। जहां तक वे बैंक वित्तपोषण पर निर्भर रहते हैं, जमाकर्ताओं के लिए अप्रत्यक्ष एक्सपोज़र रहता है। जहां निधीयन के संकेंद्रण में जोखिम रहती है, वहीं एनबीएफसी को दिए गए बैंक उधार पर अधिकतम सीमा निर्धारित करने से उनकी वृद्धि बाधित हो सकती है। एक सक्रिय कारपोरेट बांड बाजार विकसित होने से एनबीएफसी की निधीयन संबंधी अपेक्षाओं का समाधान करने में मदद मिलेगी। समूचे एनडी-एसआइ क्षेत्र का लीवरेज अनुपात 2009-10 में बढ़ गया। तथापि, संवेदनशील क्षेत्र, जो पूंजी बाजार जैसे संभाव्य उछाल-गिरावट के चक्र के प्रति प्रणत रहता है, के प्रति एनडी-एसआइ क्षेत्र के एक्सपोज़र में भी वृद्धि दिखायी देती है।

सारणी VI 36: एनबीएफसी-एनडी-एसआइ का समेकित तुलनपत्र

(राशि करोड़ रुपए में)

मद	मार्च 2009	मार्च 2010	जून 2010	प्रतिशत घट बढ़
1. शेयर पूंजी	31,756	33,576	33,734	5.7
2. आरक्षित निधि और अधिशेष	99,011	1,11,967	1,15,091	13.1
3. कुल उधार (अ + आ)	**3,19,175**	**3,81,850**	**4,13,476**	19.6
अ. जमानती उधार	**1,49,569**	**1,74,803**	**1,87,112**	**16.9**
अ.1. डिबेंचर	48,833	56,913	63,009	16.5
अ.2. बैंकों से उधार	36,263	47,404	48,995	30.7
अ.3. वित्तीय संस्थाओं से उधार	5,749	7,844	7,313	36.4
अ.4. उपचित ब्याज	2,897	3,506	3,686	21.0
अ.5. अन्य	55,828	59,136	64,109	5.9
आ. बेजमानती उधार	**1,69,606**	**2,07,047**	**2,26,364**	**22.1**
आ.1. डिबेंचर	64,570	82,529	92,469	27.8
आ.2. बैंकों से उधार	42,430	42,364	40,702	-0.2
आ.3. वित्तीय संस्थाओं से उधार	2,687	3,064	3,378	14.0
आ.4. रिश्तेदारों से उधार	2,230	1,784	2,041	-20.0
आ. 5. इंटर-कारपोरेट उधार	13,829	19,136	21,660	38.4
आ.6. वाणिज्यिक पत्र	22,337	33,580	34,262	50.3
आ.7. उपचित ब्याज	3,198	3,729	7,844	16.6
आ.8. अन्य	18,326	20,860	24,007	13.8
4. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	32,966	36,082	37,087	9.5
कुल देयताएं / कुल अस्तियां	**4,82,907**	**5,63,476**	**5,99,388**	**16.7**
आस्तियां				
1. ऋण तथा अग्रिम	2,86,555	3,50,470	3,75,052	22.3
1.1. जमानती	1,95,335	2,49,895	2,76,326	27.9
1.2. असंरक्षित/बेजमानती	91,221	1,00,575	98,727	10.3
2. किराया खरीद आस्तियां	35,682	41,746	43,568	17.0
3. निवेश	90,242	98,170	1,11,488	8.8
3.1. दीर्घावधि निवेश	60,569	65,999	67,001	9.0
3.2. वर्तमान निवेश	29,673	32,171	44,488	8.4
4. नकद और बैंक शेष	28,934	25,407	20,748	-12.2
5. अन्य चालू आस्तियां	32,119	36,270	35,834	12.9
6. अन्य आस्तियां	9,376	11,413	12,697	21.7
ज्ञापन मदें				
1. पूंजी बाजार जोखिम	81,865	1,05,514	1,10,761	28.9
जिसमें से				
इक्विटी शेयर	34,952	38,670	38,945	10.6
2. कुल आस्तियों के प्रतिशत के रूप में सीएमइ	17.0	18.7	18.5	
3. लीवरेज अनुपात	2.69	2.87	3.03	

टिप्पणी : 1. प्रस्तुत उक्त आंकड़े एनडी-एसआइ से संबंधित हैं जिन्हें मार्च 2009 से जून 2009 तक सुसंगत रूप से रिपोर्ट किया गया है।
2. इन एनडी-एसआइ में सभी एनडी-एसआइ की कुल आस्तियों के 98% से अधिक आस्तियां शामिल हैं।

स्रोत : एनडी-एसआइ की मासिक विवरणी (100 करोड़ और अधिक)

एनबीएफसी-एनबी-एसआइ का क्षेत्रवार उधार

6.53 एनबीएफसी-एनडी-एसआइ के कुल उधार के क्षेत्रवार विश्लेषण से प्रकट होता है कि पश्चिमी क्षेत्र के साथ उत्तरी क्षेत्र ने मार्च 2010 तथा मार्च 2009 के दौरान कुल उधार के तीन-चौथाई से अधिक का हिस्सा बनाए रखा; यह प्रवृत्ति जून 2010 को समाप्त तिमाही के दौरान भी बनी रही। मार्च 2009 की तुलना में मार्च 2010 के दौरान सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गयी। जून 2010 को समाप्त तिमाही के दौरान पूर्वी क्षेत्र को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्रों में उधार में वृद्धि दर्ज की गयी (सारणी VI.37)।

सारणी VI.37: जमाराशियां न लेने वाली प्रणालीगत रूप से महत्त्वपूर्ण गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों की उधार राशियां क्षेत्र-वार

(राशि करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	मार्च 2009	मार्च 2010	जून 2010
1	2	3	4
उत्तरी	1,71,438	2,06,073	2,19,788
पूर्व	10,079	13,074	12,891
पश्चिमी	89,290	1,03,408	1,14,283
दक्षिणी	48,368	59,296	66,513
कुल उधार राशियां	**3,19,175**	**3,81,850**	**4,13,476**

स्रोत :एनडी-एसआइ की मासिक विवरणी (100 करोड़ रुपए और अधिक) ।

वित्तीय कार्यनिष्पादन

6.54 एनबीएफसी-एनडी-एसआइ क्षेत्र के वित्तीय कार्यनिष्पादन में थोड़ा सुधार हुआ जैसा कि पिछले साल की तुलना में 2009-2010 के दौरान निवल लाभ की वृद्धि में दिखायी देता है। तथापि, कुल आस्तियों की तुलना में निवल लाभ के अनुपात में उस अवधि के दौरान गिरावट आयी (सारणी VI.38)।

6.55 समग्र एनबीएफसी-एनडी-एसआइ क्षेत्र की कुल आस्तियों की तुलना में सकल एवं निवल अनर्जक आस्तियों के अनुपात में मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के दौरान थोड़ी गिरावट आयी। जून 2010 को समाप्त तिमाही के संबंध में प्राप्त नवीनतम जानकारी से कुछ सुधार दिखायी देता है (सारणी VI.39)।

6.56 मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार 188 एनडी-एसआइ कंपनियों में से 78 कंपनियों ने अपनी कुल आस्तियों के वित्तपोषण के लिए उनकी अपनी निधि पर निर्भरता दिखायी। तथापि, कुछ कंपनियों ने उनकी आस्तियों के बड़े हिस्से के वित्तपोषण के लिए

सारणी VI.38: जमाराशियां न लेने वाली प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का वित्तीय कार्य-निष्पादन

(राशि करोड़ रुपए में)

मद	मार्च 2009	मार्च 2010	जून 2010
1	2	3	4
1. कुल आय	60,091	58,628	16,366
2. कुल व्यय	43,885	43,227	10,959
3. निवल लाभ	10,800	10,897	3,792
4. कुल अस्तियां	4,82,907	5,63,476	5,99,388
वित्तीय अनुपात			
(i) कुल अस्तियों के प्रतिशत की तुलना में आय	12.4	10.4	2.7
(ii) कुल अस्तियों के प्रतिशत के रूप में व्यय	9.1	7.7	1.8
(iii) कुल आय की तुलना में निवल लाभ	18.0	18.6	23.2
(iv) कुल आस्तियों की तुलना में निवल लाभ	2.2	1.9	0.6

स्रोत : एनडी-एसआइ की मासिक विवरणी (100 करोड़ और अधिक) ।

सारणी VI.39: गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी एनडी-एसआइ के अनर्जक आस्ति अनुपात

(करोड़ रुपए)

मद	मार्च 2009	मार्च 2010	जून 2010
1	2	3	4
1. सकल अग्रिमों की तुलना में सकल एनपीए	2.9	3.0	2.6
2. निवल अग्रिमों की तुलना में निवल एनपीए	1.0	1.2	1.1
3. कुल आस्तियों की तुलना में सकल एनपीए	2.2	2.3	2.0
4. कुल आस्तियों की तुलना में निवल एनपीए	0.7	0.9	0.8

स्रोत : एनडी-एसआइ की मासिक विवरणी (100 करोड़ रुपए और अधिक) ।

आइसीडी/वाणिज्यिक पत्र/बैंकों पर अपनी निर्भरता दिखायी (सारणी VI.40)।

6.57 मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार, एनडी-एसआइ कंपनियां अपने मीयादी उधार, कार्यशील पूंजीगत उधार, तथा डिबेंचर/वाणिज्यिक पत्र के लिए मुख्य रू प से राष्ट्रीयकृत बैंकों पर निर्भर थीं। निजी क्षेत्र के नए बैंक दूसरे बड़े बैंक समूह बनकर उभरे हैं, जिनसे एनडी-एसआइ कंपनियां मीयादी उधार तथा कार्यशील पूंजीगत उधार जुटा सकती हैं। तथापि, डिबेंचर के मामले में, एनडी-एसआइ के संबंध में विदेशी बैंकों का अंशदान भी महत्वपूर्ण है (सारणी VI.41)।

4. प्राथमिक व्यापारी

6.58 30 जून 2010 की स्थिति के अनुसार, बीस प्राथमिक व्यापारी (पीडी) थे जिनमें से बारह बैंक थे जो विभागीय तौर पर प्राथमिक व्यापारी संबंधी कारोबार कर रहे थे (बैंक-पीडी) तथा शेष आठ बैंकेतर संस्थाएं थीं, जिन्हें स्टैंडअलोन प्राथमिक व्यापारी के रूप में जाना जाता है, जो आरबीआइ अधिनियम, 1934 की धारा 45आइए के अंतर्गत एनबीएफसी के रूप में पंजीकृत हैं।

सारणी VI.40: सार्वजनिक निधियों पर निर्भरता

(मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार)

कंपनियों की संख्या

निर्भरता (कुल देयताओं की तुलना में प्रतिशत)	स्वाधिकृत निधि	बैंक	डिबेंचर	आइसीडी	वाणिज्यिक पत्र	अन्य
1	2	3	4	5	6	7
0%	-	129	129	139	153	92
0 से 20 %	37	26	32	40	20	71
20 से 40 %	31	17	15	1	9	12
40 से 60 %	22	11	10	4	5	8
60 से 80 %	20	4	2	2	-	3
80 से 100 %	78	1	-	2	1	2
कुल	188	188	188	188	188	188

- शून्य

स्रोत : एनडी-एसआइ की मासिक विवरणी (100 करोड़ रुपए और अधिक)

सारणी VI.41:एनबीएफसी - एनडी - एसआइ का बैंक एक्सपोजर (मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार)

(राशि करोड़ रूपए में)

बैंक समूह	मीयादी ऋण	कार्यकारी पूंजी ऋण	डिबेंचर / वाणिज्यक पत्र	अन्य	जोड़
1	2	3	4	5	6
क. राष्ट्रीयकृत बैंक	37,863	5,666	3,773	2,001	49,303
	(59.1)	(37.1)	(32.9)	(37.0)	(51.3)
ख. स्टेट बैंक समूह	5,866	3,756	1,160	19	10,802
	(9.2)	(24.6)	(10.1)	(0.4)	(11.2)
ग. पुराने प्राइवेट बैंक	4,995	794	516	342	6,647
	(7.8)	(5.2)	(4.5)	(6.3)	(6.9)
घ. नए प्राइवेट बैंक	10,823	4,388	2,479	1,530	19,219
	(16.9)	(28.7)	(21.6)	(28.3)	(20.0)
ङ विदेशी बैंक	4,483	674	3,552	1,510	10,218
	(7.0)	(4.4)	(30.9)	(28.0)	(10.6)
सभी बैंक	64,029	15,279	11,480	5,402	96,190
	(100.0)	(100.0)	(100.0)	(100.0)	(100.0)

स्रोत : एनडी-एसआइ की मासिक विवरणी (100 करोड़ और अधिक)

वर्ष 2009-10 के दौरान, डीएसपी मेरिल लिंच सिक्यूरिटीज ट्रेडिंग लिमिटेड, बैंक ऑफ अमरीका कारपोरेशन जो बैंक ऑफ अमरीका, एन.ए. की मूल कंपनी है, तथा मेरिल लिंच एण्ड कंपनी के बीच विलय के लिए हुए करार के अनुसरण में, प्राथमिक व्यापारी नहीं रहा, जिसके अनुसार डीएसपी मेरिल लिंच सिक्यूरिटीज ट्रेडिंग लिमिटेड के प्राथमिक व्यापारी संबंधी कारोबार का अधिग्रहण बैंक ऑफ अमरीका ने कर लिया। साथ ही, मार्गन स्टैनली इंडिया प्राइमरी डीलर प्राइवेट लिमिटेड तथा नोमुरा फिक्स्ड इन्कम सिक्यूरिटीज लिमिटेड को क्रमशः 20 जुलाई 2009 तथा 7 सितम्बर 2009 से प्राथमिक व्यापारी का कार्य करने के लिए प्राधिकृत किया गया। ऐक्सिस बैंक को 5 अप्रैल 2010 से विभागीय तौर पर पीडी का कार्य करने के लिए प्राधिकृत किया गया।

पीडी का परिचालन तथा कार्यनिष्पादन

6.59 वर्ष 2009-10 के दौरान, खजाना बिलों (टी-बिल) में प्राथमिक व्यापारियों ने 4,17,060 करोड़ रुपए की बोली संबंधी वचनबद्धता की तुलना में सामूहिक तौर पर (बैंक-पीडी सहित) 7,54,041 करोड़ रुपए की वास्तविक बोली लगायी तथा इस प्रकार बोली-कवर अनुपात 1.98 था। खजाना बिलों और केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों दोनों के संबंध में, 2009-10 के दौरान, सफलता अनुपात अर्थात् प्राथमिक व्यापारियों की कुल वचनबद्धता में उनकी बोलियों की राशि के अनुपात में गिरावट हुई। साल की दोनों छमाहियों में सभी प्राथमिक व्यापारियों ने 40.0 प्रतिशत का न्यूनतम निर्धारित सफलता अनुपात संबंधी लक्ष्य प्राप्त किया। सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामियों में, प्राथमिक बाजार में पीडी द्वारा प्रस्तुत की गयी दिनांकित प्रतिभूतियों की वास्तविक बोलियां 2008-09 के 1.34 गुने की तुलना में अधिसूचित राशि (4,18,000 करोड़ रुपए) का 1.28 गुना थीं (सारणी VI.42)।

6.60 वर्ष 2009-10 के दौरान, द्वितीयक बाजार में पीडी का टर्नओवर (एकमुश्त तथा रिपो दोनों) 26,02,475 करोड़ रुपए था। बाजार के कुल टर्नओवर में पीडी के कुल टर्नओवर का अनुपात 2008-09 के 12.8 प्रतिशत से गिरकर 2009-10 में 8.7 प्रतिशत रह गया (सारणी VI.43)।

निधियों का स्रोत तथा उपयोग

6.61 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के दौरान पीडी के तुलनपत्र का आकार पिछले साल के स्तर पर बना रहा। तथापि, पिछले

सारणी VI.42: प्राथमिक बाजार में प्राथमिक व्यापारियों का कार्य-निष्पादन

(मार्च के अंत में)

(राशि करोड़ रुपए)

मद	2009	2010
1	2	3
खजाना बिल		
बोली वचनब्द्धता	2,84,985	4,17,060
वास्तविक प्रस्तुत बोलियां	5,09,794	7,54,041
कवर की तुलना में बोलियों का अनुपात	1.8	1.9
स्वीकृत बोली	1,72,474	2,33,648
सफलता अनुपात (प्रतिशत में)	59.1	56.0
केंद्र सरकार की प्रतिभूतियां		
अधिसूचित राशि	2,61,000	4,18,000
वास्तविक प्रस्तुत बोलियां	3,49,393	5,35,722
कवर की तुलना में बोलियों का अनुपात	1.34	1.28
स्वीकृत बोली	1,11,094	1,75,609
सफलता अनुपात (प्रतिशत में)	42.6	42.0

सारणी VI.43: द्वितीयक बाजार में प्राथमिक व्यापारियों का कार्य-निष्पादन

(राशि करोड़ रुपए)

मद	अप्रैल-जून 2009	जुलाई-सितंबर 2009	अक्तू.-दिसं. 2009	जन.-मार्च 2010	2009-10	2008-09
1	2	3	4	5	6	7
एकमुश्त						
प्रा.व्या.पण्यावर्त	2,29,437	2,26,437	2,66,662	1,79,557	9,02,093	7,96,187
बाजार पण्यावर्त	15,67,998	14,72,717	15,22,511	11,21,613	56,84,838	42,55,352
प्रा.व्या. का हिस्सा (प्रतिशत)	14.6	15.4	17.5	16.0	15.9	18.7
रिपो						
प्रा.व्या.पण्यावर्त	3,77,966	4,13,077	5,26,858	3,82,480	17,00,382	18,21,096
बाजार पण्यावर्त	60,37,454	68,90,178	62,41,326	50,14,271	2,41,83,229	1,62,34,732
प्रा.व्या. का हिस्सा (प्रतिशत)	6.3	6.0	8.4	7.6	7.0	11.2
कुल						
प्रा.व्या.पण्यावर्त	6,07,403	6,39,515	7,93,520	5,62,037	26,02,475	26,17,283
बाजार पण्यावर्त	76,05,452	83,62,896	77,63,837	61,35,883	2,98,68,067	2,04,90,084
प्रा.व्या. का हिस्सा (प्रतिशत)	8.0	7.7	10.2	9.2	8.7	12.8

स्रोत : सीसीआइएल

साल की तुलना में 2009-10 में स्टैंडअलोन पीडी की पूंजी में इस कारण से वृद्धि हुई कि पीडी की संख्या मार्च 2009 के अंत के सात से बढ़कर मार्च 2010 के अंत में आठ हो गयी तथा न्यूनतम एनओएफ की संशोधित अपेक्षाओं का अनुपालन करने के लिए कुछ पीडी द्वारा नयी पूंजी डाली गयी। स्टैंडअलोन पीडी की आरक्षित निधि तथा अधिशेष में पिछले साल की तुलना में गिरावट आयी। पीडी के जमानती उधारों में 14 प्रतिशत की गिरावट हुई जबकि बेजमानती उधारों में 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जहां तक निधियों के उपयोग का संबंध है, सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश पिछले साल की तुलना में 14 प्रतिशत घट गया, जबकि सरकारी प्रतिभूति से इतर लिखतों में, जिनमें सीपी तथा कारपोरेट बांड शामिल हैं, निवेश 2009-10 के दौरान बढ़ गया (सारणी VI.44)।

स्टैंडअलोन प्राथमिक व्यापारियों का वित्तीय कार्यनिष्पादन

6.62 वर्ष 2009-10 के दौरान, ब्याज संबंधी व्यय में गिरावट के बावजूद ब्याज एवं बट्टा से होने वाली आय तथा ट्रेडिंग संबंधी

सारणी VI.44: प्राथमिक व्यापारियों की निधियों के स्रोत और उपयोग

(राशि करोड़ रुपए में)

	मार्च के अंत में			प्रतिशत घट-बढ़	
मद	2008	2009	2010	2009	2010
1	2	3	4	5	6
निधियों के स्रोत	10,882	10,307	10,308	-5.3	0.01
1 पूंजी	1,508	1,121	1,541	-25.7	37.47
2 आरक्षित निधि और अधिशेष	1,944	2,213	1,925	13.8	-13.01
3 ऋण (क+ख)	7,430	6,973	6,842	-6.2	-1.88
क) जमानती	4,580	2,945	2,522	-35.7	-14.36
ख) बेजमानती	2,850	4,028	4,320	41.3	7.25
निधियों का उपयोग	10,882	10,307	10,308	-5.3	0.01
1 अचल आस्तियां	14	13	14	-7.1	7.69
2 निवेश (क से ग)	8,291	7,891	7,280	-4.8	-7.74
क) सरकारी प्रतिभूतियां	7,584	7,305	6,258	-3.7	-14.33
ख) वाणिज्यिक पत्र	86	88	142	2.3	61.36
ग) कंपनी बांड	621	498	880	-19.8	76.71
3 ऋण और अग्रिम	429	959	741	123.5	-22.73
4 गैर चालू आस्तियां	0	0	0		
5 इक्विटी, म्युच्युअल फंड आदि	150	22	68	-85.3	209.09
6 अन्य*	1,998	1,422	2,205	-28.8	55.07

*: अन्य में नकदी + बैंक शेष + उपचित ब्याज + आस्थिगत कर अस्तियां - चालू देयताएं और प्रावधान शामिल हैं।
स्रोत: संबंधित प्राथमिक व्यापारियों के वार्षिक रिपोर्ट।

सारणी VI.45: प्राथमिक व्यापारियों का वित्तीय कार्य-निष्पादन

(राशि करोड़ रुपए में)

मद	2008-09	2009-10	प्रतिशत घट-बढ़	
			राशि	प्रतिशत
1	2	3	4	5
क. आय (i से iii)	1,825	804	-1,021	-55.9
i) ब्याज और बट्टा	878	690	-188	-21.4
ii) कारोबारी लाभ	843	-30	-873	-103.6
iii) अन्य आय	104	144	40	38.5
ख. व्यय (i+ii)	692	461	-231	-33.4
i) ब्याज	546	303	-243	-44.5
ii) अन्य व्यय	146	158	12	8.2
कर पूर्व लाभ	1,133	343	-790	-69.7
करोत्तर लाभ	749	227	-522	-69.7
स्वतंत्र प्राथमिक व्यापारियों की संख्या	7	8		

स्रोत : प्राथमिक व्यापारी की वार्षिक रिपोर्ट

लाभ में गिरावट के परिणास्वरूप पीडी के निवल लाभ में पिछले साल की तुलना में लगभग 70 प्रतिशत की गिरावट आयी। वर्ष के दौरान सरकारी प्रतिभूतियों के प्रतिफल में आयी तेजी ने स्टैंडअलोन पीडी के ट्रेजरी संबंधी लाभ को प्रभावित किया (सारणी VI.45 तथा परिशिष्ट सारणी VI.2)।

6.63 प्राथमिक व्यापारियों के आस्तियों पर प्रतिफल (आरओए) में 2009-10 के दौरान तेज गिरावट हुई जिसके बाद उनके निवल लाभ में तीव्र गिरावट आयी (सारणी VI.46)।

6.64 स्टैंडअलोन पीडी अच्छी तरह से पूंजीकृत बने रहे। अलग-अलग स्टैंडअलोन पीडी का सीआरएआर मार्च 2010 के अंत में न्यूनतम निर्धारित 15 प्रतिशत सीआरएआर के ऊपर बना रहा। एक समूह के रूप में स्टैंडअलोन पीडी का सीआरएआर मार्च 2010 के अंत में 43.5 प्रतिशत था (सारणी VI.47 तथा परिशिष्ट सारणी VI.3)।

सारणी VI.46: प्राथमिक व्यापारियों के वित्तीय संकेतक

(राशि करोड़ रुपए में)

संकेतक	2008-09	2009-10
1	2	3
i) निवल लाभ	749	227
ii) औसत आस्तियां	11,348	12,815
iii) औसत आस्तियों पर प्रतिलाभ (प्रतिशत में)	6.6	1.8
iv) प्राथमिक व्यापारियों की संख्या	7	8

स्रोत : प्राथमिक व्यापारी की विवरणी (पिडीआर)।

सारणी VI.47 : प्राथमिक व्यापरियों के चुनिंदा संकेतक

(मार्च के अंत में)

(राशि करोड़ रुपए में)

मद	2009	2010
1	2	3
कुल आस्तियां	10,307	10,308
इनमें से: सरकारी प्रतिभूतियां	7,305	6,258
कुल आस्तियों के प्रतिशत के रूप में सरकारी प्रतिभूतियां	70.9	60.7
सकल पूंजी निधि	3,464	3,610
सीआरएआर (प्रतिशत में)	34.8	43.5
चलनिधि समर्थन सीमा	3,000	3,000
प्राथमिक व्यापरियों की संख्या	7	8

स्रोत: प्राथमिक व्यापारी विवरणी (पीडीआर)।

5. निष्कर्ष

6.65 2009-10 में वित्तीय संस्थाओं के समेकित तुलनपत्र का विस्तार हुआ, जिसका कारण इन संस्थाओं द्वारा बांड एवं डिबेंचर जारी करने में हुई उल्लेखनीय वृद्धि था। 2009-10 में वित्तीय संस्थाओं के निवल लाभ के कुल स्तर में वृद्धि हुई। वित्तीय संस्थाओं के निवल एनपीए में 2009-10 में औसत स्तर पर कुछ वृद्धि हुई। वित्तीय संस्थाओं की पूंजी पर्याप्तता भी उनके सीआरएआर के सांविधिक न्यूनतम अनुपात से अधिक होने के साथ काफी सुदृढ़ थी जो यह दर्शाता है कि उनके कर्ज वितरण के विस्तार में काफी संभावनाएं हैं।

6.66 खजाना बिलों और केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों दोनों के संबंध में, 2009-10 में पिछले वर्ष के मुकाबले प्राथमिक व्यापारियों के सफलता अनुपात में गिरावट हुई। प्राथमिक व्यापारियों के आरओए में भी तीव्र गिरावट दिखायी दी क्योंकि वर्ष के दौरान उनका निवल लाभ काफी कम हो गया।

6.67 2009-10 में एनबीएफसी-एनडी-एसआइ के तुलनपत्रों में विस्तार देखा गया। तथापि, उनके आरओए में 2009-10 में गिरावट आयी। साथ ही, 2009-10 में सकल तथा निवल अनर्जक आस्ति अनुपात में वृद्धि के साथ उनकी आस्ति की गुणवत्ता में भी थोड़ी गिरावट देखी गयी।

6.68 यह उल्लेखनीय है कि अभी भी बड़ी संख्या में ऐसी एनबीएफसी हैं जो रिज़र्व बैंक के सीधे पर्यवेक्षण और विनियमन की परिधि में नहीं आती हैं। एनबीएफसी क्षेत्र की वृद्धि के संवर्धन के लिए, सक्रिय कारपोरेट बांड बाजार के रूप में निधीयन के वैकल्पिक स्रोतों का विकास करना वांछनीय होगा।